राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र

Email :-futurelinetimes@gmail.com

फ्यूचर लाइन टाइम्स

Youtube channel : @fltnews2398

वर्ष : 03 अंक 310 | मंगलवार 04 मार्च 2025, नोएडा गौतमबुद्ध नगर | आर एन आई. नं0. -UPHIN/2022/87673 | पेज: 8 मूल्य : 2 रुपया

अयोध्या में राम मंदिर पर आतंकी हमले की साजिश...

- फरीदाबाद से हैंड ग्रेनेड के साथ संदिग्ध गिरफ्तार, आईएसआई से ली थी ट्रेनिंग

नई दिल्ली । गुजरात एंटी टेररिस्ट स्क्वाड और फरीदाबाद स्पेशल टास्क फोर्स ने संयुक्त ऑपरेशन में आतंकी कनेक्शन के संदेह में एक युवक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान अब्दुल रहमान (19) पुत्र अबूबकर के रूप में हुई है। वह उत्तर प्रदेश के फैजाबाद (अयोध्या) का निवासी है। संदिग्ध को फरीदाबाद से गिरफ्तार किया गया, जहां वह आतंकी साजिश को अंजाम देने की तैयारी में था। उसके पास से दो हैंड ग्रेनेड बरामद किए गए, जिन्हें सुरक्षा एजेंसियों ने तुरंत निष्क्रिय करा दिया।

पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार संदिग्ध अब्दुल रहमान पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के संपर्क में था और उसे अयोध्या के राम मंदिर पर आतंकी हमले के लिए तैयार किया गया था। जांच में खुलासा हुआ है कि रहमान कई कट्टरपंथी जमातों से जुड़ा हुआ था और फैजाबाद में एक मटन शॉप चलाता था। सुरक्षा एजेंसियों को मिली जानकारी के अनुसार, राममंदिर निर्माण के बाद पाकिस्तान आईएसआई ने भारत में बड़ी आतंकी साजिश रचने की योजना बनाई थी, जिसमें अयोध्या स्थित राम मंदिर को निशाना बनाने का प्लान था।

राम मंदिर की रेकी और हमले की साजिश

जांच में यह भी सामने आया है कि अब्दुल रहमान पहले भी कई बार अयोध्या के राम मंदिर की रेकी कर चुका था और उसने वहां की सुरक्षा व्यवस्था से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी आईएसआई को साझा की थी। आतंकियों का मकसद राम मंदिर पर हैंड ग्रेनेड से हमला कर बड़े पैमाने पर तबाही मचाना था। इस ऑपरेशन को अंजाम देने में गुजरात एटीएस की भूमिका बेहद अहम रही। एटीएस को इनपुट मिला था कि एक संदिग्ध आतंकी भारत में सक्रिय है, जो आतंकी संगठन के निर्देश पर किसी बड़े हमले की तैयारी में जुटा हुआ है। इस जानकारी के आधार पर गुजरात एटीएस और फरीदाबाद एसटीएफ ने जाल बिछाया और संदिग्ध को गिरफ्तार किया।

पूछताछ में हो रहे अहम खुलासे

अब्दुल रहमान से फिलहाल हरियाणा पुलिस और केंद्रीय एजेंसियां गहन पूछताछ कर रही हैं। उसके मोबाइल और अन्य बरामद सामग्रियों की जांच की जा रही है ताकि उसके बाकी नेटवर्क का पता लगाया जा सके। सुरक्षा एजेंसियां अब यह भी खंगाल रही हैं कि इस साजिश में और कौन-कौन लोग शामिल थे और क्या कोई स्थानीय मददगार भी इसमें शामिल था।सुरक्षा एजेंसियों के सूत्रों के अनुसार, अब्दुल रहमान आईएसआई के इस्लामिक स्टेट खुरासान प्रोविंस मॉड्यूल से जुड़ा हुआ था। माना जा रहा है कि इस मॉड्यूल में अब्दुल के अलावा और लोग भी शामिल हो सकते हैं, जिनकी तलाश की जा रही है। सेंट्रल एजेंसियों के सूत्रों ने बताया कि अब्दुल रहमान के पास से जो हैंड ग्रेनेड बरामद हुआ है, उसमें किसी कंपनी या देश का मार्का नहीं लगा हुआ था। इससे आशंका जताई जा रही है कि यह हथियार स्मगलिंग के जरिए अब्दुल तक पहुंचाया गया था। इसकी गहन जांच की जा रही है कि यह ग्रेनेड कहां से आया और इसमें कौन-कौन लोग शामिल थे।

कड़ी सुरक्षा और सतर्कता के आदेश

इस गिरफ्तारी के बाद अयोध्या समेत देशभर के संवेदनशील धार्मिक स्थलों की सुरक्षा और अधिक कड़ी कर दी गई है। सुरक्षा एजेंसियों ने यह भी साफ किया है कि आतंकियों के मंसूबों को किसी भी कीमत पर सफल नहीं होने दिया जाएगा और इस पूरे नेटवर्क का जल्द ही भंडाफोड़ किया जाएगा।

माधबी के खिलाफ मामला होगा दर्ज,

सेबी की पूर्व अध्यक्ष पर एसीबी कोर्ट ने दिए एफआईआर दर्ज करने के आदेश

मुंबई। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) की पहली महिला अध्यक्ष माधबी पुरी बुच ने 1 मार्च 2022 को यह पद संभाला था। माधबी पुरी बुच का कार्यकाल 28 फरवरी को पूरा हुआ है और उनकी जगह तुहिन कांत पांडे को नया सेबी चेयरपर्सन बनाया गया है।कार्यकाल पूरा होते ही माधबी पुरी बुच पर एफआईआर दर्ज करने के आदेश हुए हैं। मुंबई की एसीबी अदालत ने पूर्व सेबी प्रमुख माधबी

पुरी बुच और पांच अन्य के खिलाफ कथित शेयर बाजार धोखाधड़ी और नियामक उल्लंघनों के आरोप में एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है। माधबी पुरी का जन्म 1965 में मुंबई में हुआ था। उनके पिता एक बिजनेसमैन थे और उनकी मां राजनीति विज्ञान में डॉक्टरेट थीं। माधबी की शुरुआती पढ़ाई फोर्ट कॉन्वेंट स्कूल, मुंबई से हुई। इसके बाद उनका परिवार दिल्ली आ गया, जिसके बाद उन्होंने आगे की पढ़ाई दिल्ली से पूरी की। माधबी पुरी बुच ने दिल्ली यूनिवर्सिटी के सेंट स्टीफंस कॉलेज से मैथ्स में ग्रेजुएशन किया। इसके बाद उन्होंने भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) अहमदाबाद से एमबीए की डिग्री ली। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत 1989 में आईसीआईसीआई बैंक से की, जहां उन्होंने इन्वेस्टमेंट बैंकिंग में काम किया था बाद में माधबी आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज की एमडी और सीईओ भी बनीं।

नई शिक्षा नीति 2020 किसी भी राज्य पर हिंदी को लागू नहीं करती : प्रधान

नई दिल्ली ।केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि नई शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 किसी भी राज्य पर हिंदी को लागू नहीं करती है।उन्होंने साफ कर दिया कि इस नीति का तमिलनाडु की स्टालिन सरकार का विरोध राजनीति से प्रेरित था। केंद्रीय मंत्री प्रधान ने स्पष्ट किया कि एनईपी मातृभाषा आधारित शिक्षा को प्रोत्साहित करती है।उन्होंने बताया, हमारी सरकार ने एनईपी 2020 में कभी नहीं कहा कि केवल हिंदी होगी।शिक्षा मूल भाषा में होगी।तमिलनाडु में, यह तमिल मूल भाषा होगी।केंद्रीय मंत्री प्रधान का बयान तब आया है जब तमिलनाडु की स्टालिन सरकार एनईपी 2020 की तीन-भाषा नीति का विरोध कर रही है।राज्य ने क्षेत्रीय भाषाओं पर नीति के प्रभाव के बारे में चिंता जाहिर की है। प्रधान ने ऐसी चिंताओं को राजनीतिक बताकर खारिज किया।उन्होंने कहा, एनईपी 2020 हिंदी, तमिल, उड़िया और पंजाबी सहित सभी भाषाओं पर प्रकाश डालता है।सभी भाषाओं का समान महत्व है।तमिलनाडु में कुछ लोग राजनीतिक उद्देश्यों के कारण इसका विरोध कर रहे हैं।इसके पहले दिन में, प्रधान ने दिल्ली विश्वविद्यालय में हिंदू कॉलेज के 126वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में समारोह में बात की।उन्होंने त्रिभाषा नीति के महत्व और रोजगार और राष्ट्रीय एकता में इसके योगदान पर जोर दिया। उन्होंने कहा, देश भर में तीन-भाषा फॉर्मूला अपनाया जाना चाहिए।उन्होंने कहा कि एक बहुभाषी स्कूल प्रणाली किसी भी क्षेत्र के व्यक्तियों को रोजगार प्राप्त करने में सहायता करेगी। उन्होंने कहा, विशेषज्ञों ने देश की सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक परिस्थितियों को देखते हुए, आगे बढ़ने के रास्ते के रूप में एक त्रिभाषी फॉर्मूले की पहचान की है।

कश्मीर मसले पर पाक को झटका देने जा रहा भारत

- बड़े इस्लामिक देश ईरान को चुपचाप साधा, कर दिया कूटनीतिक 'खेला'

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के मसले को पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय लेवल पर उठाता रहता है। संयुक्त राष्ट्र संघ के मंचों पर पाकिस्तान हर बार इस मसले को उठाता है और तुर्की, ईरान, मलयेशिया जैसे देशों से भी इसकी चर्चा करवाता है। अब भारत ने उसकी इस लॉबिंग को ही तोड़ने का प्रयास शुरू कर दिया है। करीब एक सप्ताह तक ईरान के सुप्रीम काउंसिल फॉर कल्चरल रिवॉल्यूशन के सेक्रेटरी अब्दुल हुसैन खोसरो पाना भारत में रुके। इस दौरान उन्होंने कई आयोजनों में हिस्सा लिया और भारत

सरकार के प्रतिनिधियों से भी मुलाकातें कीं। इस दौरे को भारत सरकार की एक कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है कि ईरान की राय को कश्मीर मसले पर बदला जाए। अब्दुल हुसैन खोसरो को ईरान के शीर्ष नेता अयातुल्लाह खामेनेई का करीबी माना जाता है। खामेनेई ने बीते साल भारत को असहज करने वाला बयान दिया था।

पीओके में ऐक्टिव तीन आतंकवादियों पर ऐक्शन

जम्मू-कश्मीर के पुंछ में थीं कई संपत्तियां, अब कुर्क

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में पुलिस ने तीन आतंकवादियों की 14.8 कनाल जमीन कुर्क की, जिसकी कीमत 28 लाख रुपये से अधिक है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आतंकवादी वर्तमान में पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) से सक्रिय हैं और उनकी संपत्तियों की कुर्की केंद्र शासित प्रदेश में आतंकी पारिस्थितिकी तंत्र को खत्म करने के प्रयासों के तहत की गई है। अधिकारी ने बताया कि किरनी गांव के नजब दीन और मोहम्मद लतीफ तथा कस्बा के मोहम्मद बशीर उर्फ टिक्का खान पहले ही सीमा पार भाग चुके थे और वे जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को बढ़ावा देने, शांति भंग करने तथा सामाजिक सद्भाव को खतरे में डालने में सक्रिय रूप से संलिप्त थे। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई 2022 में पुलिस थाने पुंछ में दर्ज एक मामले के संबंध में अदालत के आदेश के अनुपालन में की गई है।

जॉर्डन सेना ने भारतीय को मारी गोली, गई जान

इजराइल में अवैध तरीके से घुसपैठ करते पकड़ा गया

घरवालों से फोन पर कहा था- मेरे लिए प्रार्थना करना

अम्मान (एजेंसी)। इजराइल-जॉर्डन सीमा पर एक भारतीय नागरिक को जॉर्डन के सैनिकों ने गोली मार दी। मृतक केरल के थुंबा का रहने वाला एनी थॉमस गेब्रियल (47) है। घटना 10 फरवरी की है। जॉर्डन स्थित भारतीय दूतावास ने इस घटना की पुष्टि की और गेब्रियल के परिवार को जानकारी दे दी है। दूतावास ने कहा कि वे गेब्रियल का शव लाने की कोशिश में जुटे हैं। गेब्रियल के परिवार ने बताया कि उन्हें 1 मार्च को दूतावास का ईमेल मिला था। गेब्रियल अपने रिश्तेदार समेत 4 लोगों के साथ 5 फरवरी को जॉर्डन गया था। उसके रिश्तेदार ने मीडिया से इस घटना पर बातचीत की। रिश्तेदार ने बताया- गेब्रियल को इजराइल सीमा पार करते वक्त जॉर्डन के सैनिकों ने पकड़ा। जब भाषा नहीं समझ आई तो सैनिकों ने फायरिंग कर दी। गेब्रियल के साथ उसके रिश्तेदार एडिसन भी जॉर्डन गए थे। एडिसन ने बताया, गेब्रियल पांच साल कुवैत में काम करने के बाद केरल लौटा था। मैं और गेब्रियल 5 फरवरी को जॉर्डन जाने के लिए निकले थे। हमारा एजेंट दोस्त बिजु जलास जॉर्डन लेकर गया था। जॉर्डन पहुंचकर हमने इजराइल का वीजा पाने की कोशिश की, लेकिन टूरिस्ट वीजा के लिए 10 लोगों का ग्रुप चाहिए था, लेकिन एक ब्रिटिश नागरिक को मिलाकर हम सिर्फ चार लोग थे। चारों लोग 3 महीने के टूरिस्ट वीजा पर जॉर्डन पहुंचे थे। जब हमें इजराइल का टूरिस्ट वीजा नहीं मिला तो ब्रिटिश नागरिक वापस लौट गया। उसने वादा किया कि वो अपने साथ और लोगों को लेकर आएगा। 9 फरवरी को गेब्रियल ने घर पर फोन करके कहा था कि हम इजराइल जा रहे हैं, प्रार्थना करना।

- **3 लाख सैलरी के लिए 3 लाख खर्च किए**-कुवैत से लौटने के बाद गेब्रियल ने जॉर्डन जाने के लिए एक एजेंट से संपर्क किया था।उन्होंने लगभग 3 लाख रुपए भी चुकाए।उनके पासपोर्ट नंबर में एक अतिरिक्त अंक मिला जिसके बाद उन्हें वापस भेज दिया गया। एजेंट ने भरोसा दिलाया कि अगली बार गेब्रियल को अन्य लोगों के साथ जॉर्डन भेजा जाएगा।गेब्रियल और एडिसन से बिजु ने वीजा और हवाई टिकट के लिए 3.10 लाख रुपए लिए।वादा किया था कि उन्हें इजराइल में नौकरी मिलेगी, जिसमें महीने के तीन लाख रुपए मिलेंगे।दोनों ने नौकरी पक्की होने के शुरुआती 8 महीने में एजेंट को हर महीने 50,000 रुपए हर महीने देने का समझौता किया था। 10 फरवरी को जब उन्हें इजराइल के लिए निकलना था, तो उनका एजेंट बिजु पीछे हट गया।बिजु ने किसी और को ग्रुप को गेब्रियल को इजराइल ले जाने की जिम्मेदारी दे दी।

छग में आवास योजना के लिए 8500 करोड़ की घोषणा

नए बजट में सरकारी कर्मचारियों को 53 फीसदी डीए का ऐलान

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने सोमवार को राज्य का बजट पेश किया। इस बजट में कई घोषणाएं की। राज्य के विकास के लिए सरकार ने कई योजनाओं की घोषणा की है। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने महिलाओं, युवाओ, किसानों, सरकारी कर्मचारियों समेत सभी वर्गों के लिए विशेष घोषणाएं की है। छत्तीसगढ़ के सरकारी कर्मचारियों को

मिलने वाला महंगाई भत्ता बढ़ाने की घोषणा की है। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि राज्य सरकार के कर्मचारियों के डीए में वृद्धि की गई है। उन्होंने कहा कि डीए बढ़ाकर 53 फीसदी कर दिया जाएगा। आवास योजना के लिए 85 करोड़ दिए जाएंगे। बढ़ हुए महंगाई भत्ते के साथ दिया जाएगा। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा-नक्सलवाद को समाप्त करने की लड़ाई में बस्तर फाइटर का सारणी योगदान मिला है। इसे देखते हुए इस साल 3200 अतिरिक्त बस्तर फाइटर पद सृजन किया जाएगा।

यूक्रेन की नागरिकता ले लो, फिर बात करना

- जेलेंस्की ने अब डोनाल्ड ट्रंप के सांसद को भी जमकर सुनाया

वॉशिंगटन (एजेंसी)। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने अमेरिकी सांसद लिंडसे ग्राहम पर की टिप्पणी पर तीखा जवाब दिया है। लिंडसे ग्राहम ने कहा था कि जेलेंस्की को यूक्रेन के राष्ट्रपति का पद छोड़ देना चाहिए। इस पर उन्होंने कहा कि यदि उन्हें लगता है कि उनकी राय को महत्व दिया जाए तो आकर यूक्रेन की नागरिकता ले लें। इसके बाद वह अपनी राय दे सकते हैं और फिर उस पर एक नागरिक के तौर पर विचार किया जाएगा। जेलेंस्की ने कहा, मैं उन्हें यूक्रेन की नागरिकता दे सकता हूं। वह हमारे देश के नागरिक बन सकते हैं, फिर उनकी बात का महत्व बढ़ जाएगा। तब मैं उनकी बात एक यूक्रेनी नागरिक के रूप में सुनूंगा कि राष्ट्रपति कौन होना चाहिए। एक दौर में यूक्रेन के समर्थक रहे ग्राहम ने कहा था कि जब तक चुनाव नहीं होते, तब तक यूक्रेन में किसी की भी आवाज़ नहीं सुनी जाएगी। ग्राहम उसी रिपब्लिक पार्टी के सांसद हैं, जिसके नेता डोनाल्ड ट्रंप हैं। लिंडसे ग्राहम और जेलेंस्की के बीच यह विवाद तब आया है, जब हाल ही में वाइट हाउस में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने यूक्रेनी नेता से तीखी बहस की थी। यहां तक कि दोनों नेताओं के बीच बहस इतनी तीखी हो गई थी कि जेलेंस्की बिना भोजन किए ही वाइट हाउस से निकल गए थे। इस बैठक में उपराष्ट्रपति जेडी वेंस भी मौजूद थे।

चॉकलेट, मीटिंग और सम्मान

विधानसभा में ठाकरे गुट से भाजपा की दिखी करीबी

- विधानसभा स्पीकर राहुल नार्वेकर ने सुनील राउत से की मुलाकात
- संजय राउत के भाई हैं सुनील राउत, मिलेगी नेता विपक्ष की जिम्मेदारी!

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में नई सरकार बनने के बाद से ही चर्चाएं चलती रहती हैं कि सीएम देवेंद्र फडणवीस और डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे के बीच रिश्ते सहज नहीं हैं। सोमवार को महाराष्ट्र विधानसभा का सत्र भी शुरू हो गया, जिसमें उद्धव ठाकरे की शिवसेना और भाजपा नेताओं के बीच नजदीकी दिखी। इन रिश्तों ने एकनाथ शिंदे गुट को असहज कर दिया है। विधानसभा स्पीकर राहुल नार्वेकर ने सुनील राउत से मुलाकात की, जो संजय राउत के भाई हैं। इसके अलावा यह भी चर्चा है कि सुनील राउत को नेता विपक्ष की जिम्मेदारी

मिल सकती है। वह विखरोली विधानसभा सीट से चुनकर सदन में पहुंचे हैं। नार्वेकर से उनकी मुलाकात ने चर्चाएं तेज कर दी हैं कि कहीं उन्हें ही नेता विपक्ष की जिम्मेदारी न दे दी जाए। नार्वेकर और सुनील राउत की मुलाकात के बाद वरुण सरदेसाई और सीएम देवेंद्र फडणवीस की भी मुलाकात हुई। यह मीटिंग अहम थी और इसकी खूब चर्चा भी है। वजह यह कि वरुण सरदेसाई उद्धव ठाकरे के रिश्तेदार हैं।

अपराध | कांग्रेस नेता हिमानी की हत्या मामले में बड़ा खुलासा

पुलिस बोली-कांग्रेस नेता को फेसबुक फ्रेंड ने मारा था

- आरोपी का हिमानी नरवाल के घर पर आना-जाना था

चंडीगढ़/रोहतक (एजेंसी)। कांग्रेस नेता हिमानी नरवाल की हत्या को लेकर हरियाणा पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। एडीजीपी के के राव ने रोहतक में प्रेस कांफ्रेंस में कहा किसी बात को लेकर दोनों के बीच झगड़ा हुआ था। इसके बाद उसने हत्या की। केके राव ने कहा कि आरोपी ने सरेंडर नहीं किया है बल्कि रोहतक पुलिस के पास कुछ जानकारी थी। इसके बाद उसे अरेस्ट किया गया। के के राव ने कहा कि आरोपी की मोबाइल की दुकान है। उसने चार्जर के तार से गला घोंटकर हत्या की। केके राव ने कहा कि आरोपी को दिल्ली से अरेस्ट किया गया है। केके राव ने

बताया कि आरोपी के पास से मृतका का सामान बरामद हुआ है। हरियाणा पुलिस के एडीजीपी के के राव ने कहा कि मामले में आरोपी की गिरफ्तारी के लिए आठ टीमों का गठन किया गया था। राव ने कहा आरोपी से पुलिस की पूछताछ जारी है। एडीजीपी ने कहा कि मोबाइल चार्जर की केबल से हिमानी की गला घोंटकर हत्या की गई। राव ने कहा कि आरोपी की झज्जर जिले के कानौन्दा में मोबाइल रिपेयरिंग की दुकान है। आरोपी सचिन उर्फ टिल्लू की उम्र 30 साल है। वह शादीशुदा है। उसके दो बच्चे भी हैं। राव ने कहा इस मामले की जानकारी दिल्ली पुलिस से साझा की गई थी। दिल्ली पुलिस ने 2 मार्च को आरोपी को काबू में लिया इसके बाद रोहतक पुलिस ने गिरफ्तारी की। पुलिस के अनुसार हिमानी नरवाल रोहतक वाले घर अकेली रहती थी। हिमानी का परिवार दिल्ली में रहता है। आरोपी सचिन की युवती के साथ फेसबुक पर एक साल पहले दोस्ती हुई थी।

- **सूटकेस में मिली थी हिमानी की बॉडी**- राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में शामिल हो चुकी हिमानी नरवाल रोहतक और हरियाणा में कांग्रेस की नेता थीं। 1 मार्च को हिमानी का शव रोहतक बस स्टैंड पर एक लावारिस सूटकेस में मिला था।

इसके बाद हड़कंप मच गया था। पुलिस की जांच में सामने आया था कि हत्या से पहले हिमानी ने हाथों में मेहंदी रखी थी। पोस्टमार्टम में गला घोंटकर हत्या की बात कही गई थी। आरोपी सचिन की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने मोबाइल चार्जर के वायर से गला घोंटने की बात कही है। हिमानी की हत्या को लेकर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने हमला बोला था। इस मामले में कड़ी कार्रवाई की मांग की थी, तो वहीं दूसरी तरफ पीड़ित परिवार ने गिरफ्तारी होने से पहले अंतिम संस्कार से मना कर दिया था।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

फ्यूचर लाइन टाईम्स

उप्र : ट्रक और ऑटोरिक्शा की टक्कर में चार लोगों की मौत, सात घायल

रायबरेली (उप्र)। जिले की लालगंज कोतवाली क्षेत्र के बरस गांव के पास सोमवार को ट्रक (डंपर) और ऑटोरिक्शा के बीच टक्कर में चार लोगों की मौत हो गई और अन्य सात गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास के लोगों की मदद से घायलों को जिला अस्पताल में पहुंचाया। अपर पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार सिन्हा ने बताया कि लालगंज से सवारियां लेकर ऑटोरिक्शा चालक रायबरेली की ओर जा रहा था, लेकिन बरस गांव के पास ट्रक ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ऑटोरिक्शा के परखच्चे उड़ गए। उन्होंने बताया कि तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग घटना स्थल की तरफ दौड़े और ऑटोरिक्शा में फंसे लोगों को बाहर निकाला, लेकिन चार लोगों की घटनास्थल पर ही मौत गई। पुलिस ने सभी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। इसकी जानकारी होने पर उप जिलाधिकारी डलमऊ राजितराम गुप्ता अस्पताल पहुंचे और घटना की जानकारी ली है। मृतकों में लालगंज के महेशखेड़ा निवासी ऑटोरिक्शा चालक रजनीश शर्मा और खीरों थाना क्षेत्र के एकौनी निवासी निगम (20) शामिल हैं। जबकि दो अन्य मृतकों की पहचान अभी तक नहीं हो सकी है। सिन्हा ने बताया कि इस हादसे में ऑटोरिक्शा में सवार सात अन्य लोग घायल हो गये। सभी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया जहां से उन्हें बाद में जिला अस्पताल भेजा गया। मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिये भिजवाया गया है। पुलिस फरार डंपर चालक की तलाश कर रही है।

एमपी के पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह की पुश्तैनी जमीन पर जालसाजों ने किया कब्जा !

अंबेडकरनगर। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह की अंबेडकरनगर स्थित पुश्तैनी जमीन पर अवैध कब्जा करने का मामला सामने आया है। आरोपियों ने पहले जमीन का फर्जी तरीके से बैनामा करवा लिया और अब आरोपियों ने जमीन पर नींव की खुदाई करवानी शुरू कर दी। इस बात की जानकारी मिलते ही केयर टेकर ने मामले की जानकारी पूर्व सीएम और कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह को दी। जिसके बाद पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने अंबेडकरनगर जिलाधिकारी और उपजिलाधिकारी से इस मामले की शिकायत की। मामला अंबेडकरनगर के आलापुर तहसील क्षेत्र स्थित रामनगर महुवर गांव का है। जहां पर बीते 21 फरवरी को जमीन पर काम शुरू हुआ था और 22 फरवरी को शिकायत मिलने के बाद प्रशासन ने काम को बंद करा दिया था। वहीं प्रशासन ने जमीन से जुड़े दस्तावेजों की जांच-पड़ताल भी शुरू कर दी है। रामनगर महुवर गांव के गाटा संख्या 1235 की 0.152 हेक्टेयर जमीन मध्य प्रदेश के पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह के नाम दर्ज है। पहले यह जमीन उनकी मां के नाम थी। जिनका निधन 18 फरवरी 1986 को हुआ था। इसके बाद 18 मई 2024 को यह जमीन विरासत में दिग्विजय सिंह और उनके भाई लक्ष्मण के नाम हो गई। मौजूदा समय में इस जमीन की कीमत लगभग 50 लाख रुपए आंकी जा रही है। शिकायतकर्ता केयर टेकर अनिल कुमार यादव ने बताया कि केवटला निवासी रामहरक चौहान नाम के व्यक्ति ने 1989 में खुद को दिग्विजय सिंह का मुख्तार-ए-आम यानी पॉवर ऑफ अटॉर्नी बताकर जियालाल, राजबहादुर शिवप्रसाद के पुत्र और मंगली मट्टू के पुत्र नामक व्यक्तियों के नाम बैनामा कर दिया। बीते शुक्रवार को जब यह बैनामा धारक जमीन पर नींव की खोदाई करवाने लगे तो उन्होंने मामले की जानकारी दिग्विजय सिंह को दी। बताया जा रहा है कि दिग्विजय सिंह की मौसी विमला देवी की शादी मकरही स्टेट के राजा महेश्वरी सिंह से हुई थी। भूमि अधिग्रहण अधिनियम के तहत 1894 से 1975 के दौरान राजाओं की जमीन की चकबंदी शुरू हुई। इसी के तहत सरकार राजाओं की जमीन को अधिग्रहित करने लगी। सीलिंग से अपनी जमीन को बचाने के लिए राजा महेश्वरी सिंह ने इस जमीन को अपनी साली यानी दिग्विजय सिंह की मां अपर्णा देवी के नाम कर दिया था। मां के गुजरने के बाद यह जमीन दिग्विजय सिंह की हो गई।

रात में छत पर सोई नाबालिग की खंडहर में मिली लाश, गांव में फैली दहशत

कुशीनगर। अहिरौली बाजार थाना क्षेत्र के विजयी काफ गांव में एक 15 वर्षीय युवती का शव खंडहर रूपी मकान में मिला है। रात में खाना खाकर छत पर सोई नाबालिग का शव सुबह मिलने से पूरे गांव में दहशत फैल गई। इस मामले में पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने कहा कि सूचना के अनुसार 15 वर्षीय गीता चौधरी पुत्री रमेश चौधरी जो अपने घर के तीन मंजिला छत पर रात में सो रही थी। सुबह ग्राम प्रधान द्वारा उसके घर सूचना दी गई कि उनकी लड़की का शव बगल में स्थित खंडहर रूपी मकान में पड़ा हुआ है। परिवार वाले जब मकान में पहुंचे तो देखे कि वह शव गीता का था और उसके हाथ से खून बह रहा है। गीता की मौत से घर में कोहराम मच गया। मौके पर पहुंची पुलिस जांच पड़ताल कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को चली गई। विजयी काफ निवासी रमेश चौधरी की 6 पुत्रियां और एक पुत्र है। मृतिका गीता 8वीं तक पढ़ी हुई थी। सबसे छोटा भाई निखिल अभी कक्षा 3 में पढ़ता है। पिता पल्लेदारी का काम करके अपने परिवार का भरण पोषण करते हैं। उसकी एक बहन की शादी हो चुकी है और 5 बहनों की शादी अभी करनी थी। मृतिका चौथे नंबर की थी। मृतका की एक बहन ने बताया कि गीता गांव के ही एक लड़के से बात करती थी जिसको लेकर 3 महीने पहले विवाद हुआ था। इसी लड़के ने गीता को मारने की धमकी भी दिया था। उस समय मामला पुलिस में भी गया था जिसमें समझौता हुआ था। समझौते के बाद युवक बाहर चला गया था लेकिन अब वह बाहर से लौट आया है और बातचीत फिर करना शुरू कर दिया था। मृतका की बहन सरोज देवी ने उसी युवक पर आरोप लगाया है कि उसने ही बुलाकर हत्या कर दिया है। जबकि मृतका के मां का कहना है कि हमारी बेटी गीता छत पर सोई थी और काफी देर तक सोई रहती थी। वह किससे बातचीत करती थी; इस बारे में मुझे नहीं पता है। किसी से हमारी दुश्मनी नहीं है।

झांसी में सड़क दुर्घटना में पिता-पुत्र समेत तीन लोगों की मौत

झांसी। उत्तर प्रदेश के झांसी जिले के पूंछ थाना क्षेत्र में सोमवार की सुबह एक अज्ञात वाहन की टक्कर के कारण मोटरसाइकिल सवार पिता पुत्र सहित तीन लोगों की मौत हो गयी। पुलिस ने यह जानकारी दी। पूंछ थाना के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) जेपी पाल ने बताया कि आज सुबह करीब 10 बजे उरई से झांसी की ओर आ रही एक मोटरसाइकिल को कानपुर रोड पर स्थित डेरी पुलिया के पास किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। उन्होंने बताया कि अज्ञात वाहन की टक्कर से बुरी तरह घायल हुए मोटरसाइकिल सवार विक्रम कुशवाहा (25) और उसके दो वर्षीय पुत्र की मौके पर ही मौत हो गयी, जबकि उनके साथ बैठी विक्रम की साली गुड़िया (18) गंभीर रूप से घायल हो गयी। गंभीर रूप से घायल गुड़िया को उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज भेजा गया, परंतु उपचार के दौरान दोपहर बाद उसकी भी मौत हो गयी। ऐसा बताया गया है कि विक्रम अपने ससुराल बिराशनी, जालौन से किसी पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद अपने घर आ रहा था। इस दुर्घटना के संबंध में पुलिस ने मोटरसाइकिल कोटक्कर मारने वाले अज्ञात वाहन के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। तीनों मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

दारुल उलूम में प्रवेश पाने के इच्छुक छात्रों के लिए गाइडलाइन जारी; स्मार्टफोन पर पाबंदी, मौलाना कारी इसहाक गोरा ने की सराहना

सहारनपुर। इस्लामी तालीम के प्रमुख केंद्र दारुल उलूम में प्रवेश पाने को छात्रों के देवबंद पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया है। नवीन सत्र में प्रवेश पाने के इच्छुक छात्रों के लिए दारुल उलूम प्रबंध तंत्र ने गाइडलाइन भी जारी की है, जिसमें स्मार्टफोन के इस्तेमाल पर पाबंदी लगाई गई है। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में जमीयत दावतुल मुस्लिमीन के संरक्षक व प्रसिद्ध देवबंदी उलमा मौलाना कारी इसहाक गोरा ने सोमवार को दारुल उलूम की इंतजामिया ने उनके यहां पढ़ने की इच्छा रखने वाले छात्रों के लिए कुछ गाइडलाइन जारी की हैं। गाइडलाइन में स्मार्टफोन का भी जिक्र किया गया है। मौलाना कारी इसहाक गोरा ने कहा कि गाइडलाइन में कहा गया है कि कोई भी छात्र स्मार्टफोन का इस्तेमाल न करे। यदि कोई भी छात्र स्मार्टफोन का इस्तेमाल करता पाया गया तो उसे जब्त कर लिया जाएगा। उन्होंने छात्रों के लिए स्मार्टफोन पर पाबंदी लगाने के लिए दारुल उलूम की सराहना की। उन्होंने कहा कि दारुल उलूम की इंतजामिया ने ये पाबंदी इसलिए लगाई है कि बच्चे फोन में अपना वक्त बर्बाद न करें और ज्यादा से ज्यादा पढ़ाई पर ध्यान दें। मौलाना ने दारुल उलूम में प्रवेश पाने के इच्छुक छात्रों और यहां पहले से पढ़ाई करने वालों से अपील की कि वो स्मार्टफोन का इस्तेमाल कतई न करें। अपना ज्यादा से ज्यादा वक्त किताबों में लगाएं। किताबों को पढ़ें क्योंकि वक्त बहुत ज्यादा कीमती है।

महाकुंभ के दौरान साफ नहीं था संगम का पानी? सीएम योगी ने बताया फर्जी रिपोर्टिंग

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को महाकुंभ के दौरान संगम में प्रदूषण की खबरों को खारिज कर दिया और कहा कि व्यापक जल गुणवत्ता निगरानी से पता चला कि पूरे आयोजन के दौरान नदी साफ रही। लखनऊ में भारतीय प्रबंधन संस्थान के अधिकारियों और भारतीय डाक सेवा के अधिकारियों की एक सभा में बोलते हुए, आदित्यनाथ ने कहा कि निराधार दावों के बावजूद, हमारे राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और स्वतंत्र प्रयोगशालाओं ने लगातार संगम में पानी की गुणवत्ता को निम्न स्तर पर पाया है।

योगी ने कहा कि महाकुम्भ-2025, प्रयागराज जो भी आया, अद्भुत संगम को देखकर अभिभूत हुआ। जिसने जिस रूप में महाकुम्भ-2025, प्रयागराज को देखा, उसको वही दर्शन हुए। उन्होंने कहा कि 2013 में जब मॉरीशस के प्रधानमंत्री दौरे पर आए थे तो उन्होंने गंगा में प्रदूषण देखकर डुबकी लगाने से परहेज किया था। हमने सुनिश्चित किया कि इस बार ऐसी घटना न हो। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि उनकी सरकार ने यह सुनिश्चित करने के लिए पहले दिन से ही निवारक उपाय किए कि कोई भी सीवेज या औद्योगिक कचरा गंगा या यमुना में न गिरे।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में सबसे गंभीर प्रदूषण बिंदु कानपुर था, जहां 125 वर्षों तक, जाजमऊ में प्रतिदिन चार करोड़ लीटर अनुपचारित सीवेज गंगा में प्रवाहित होता था। हमने इसे तीन साल पहले बंद कर दिया था और आज, सीवेज की एक भी बूंद नदी में नहीं गिरती है। आदित्यनाथ ने यह भी कहा कि कानपुर के टेनरी अपशिष्टों को, जो कभी अत्यधिक जहरीला था और गंगा में जलीय जीवन को खत्म करने के लिए जिम्मेदार था, सख्त नियंत्रण में लाया गया है। उन्होंने कहा कि हमने दो साल पहले चौबीसों घंटे सीसीटीवी निगरानी स्थापित की थी और सभी टेनरियों के लिए उपचार संयंत्र अनिवार्य कर दिए थे। जो इसका पालन करने में विफल रहे, उन्हें बंद करना पड़ा।

यूपी में हाइवे से लगीं सभी शराब की दुकाने हटेंगी, बोर्ड के आकार भी छोटे होंगे

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में एक्सप्रेस-वे एवं हाईवे से लगीं सभी शराब की दुकानों को हटाया जाएगा। इसके अलावा बड़े बड़े अक्षरों में लिखा शराब की दुकाना, को भी छोटा किया जाएगा। इस आशय के निर्देश मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अक्सर यह देखा गया है कि शराब की दुकानों के साइनेज बोर्ड बहुत बड़े होते हैं, इन्हें छोटा किया जाए। मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश राज्य सड़क सुरक्षा परिषद की बैठक में यह आदेश दिए।

लंबी दूरी वाले वाहनों में दो चालक जरूरी- मुख्यमंत्री ने सड़क दुर्घटनाओं के वार्षिक आंकड़ों पर अधिकारियों के साथ चर्चा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि दूसरे प्रदेश से आने वाले बिना परमिट के वाहनों को बॉर्डर पर रोकें जाए। सीएम योगी ने कहा कि ट्रासंपोर्ट एसोसिएशन एवं व्हीकल एसोसिएशन से संवाद स्थापित कर यह सुनिश्चित कराएं कि लंबी दूरी के वाहनों पर दो ड्राइवर हों। इससे भी दुर्घटनाओं में कमी आ सकती है। इसी के साथ सीएम योगी ने अधिकारियों से कहा कि एक्सप्रेस-वे एवं हाइवे पर क्रेन, पेट्रोलिंग वाहन और एंबुलेंस की संख्या बढ़ाएं।

ई रिक्शा ड्राइवर का वैरिफिकेशन जरूरी - सीएम योगी ने कहा कि नगरीय क्षेत्रों में यह देखने को मिलता है नाबालिक बच्चे ई रिक्शा चला रहे हैं। इस पर प्रभावी अंकुश लगाना बहुत जरूरी है,उन्होंने पुलिस अधिकारियों को इसके लिए आवश्यक कदम उठाने के आदेश दिए। साथ ही सभी ई रिक्शा ड्राइवर का वैरिफिकेशन अवश्य कराने को कहा। उन्होंने कहा कि आरटीओ ऑफिस को बिचौलियों से पूर्णतः मुक्त रखें, इसके लिए समय-समय पर रैंडम चेकिंग अभियान चलाएं।

ट्रैफिक प्रबंधन सुधारने के बताए उपाय- सीएम योगी ने कहा कि सड़क जाम एक बड़ी समस्या बनती जा रही है, ट्रैफिक के सुचारू संचालन के लिए प्रदेश में प्रयाप्त मैनपॉवर उपलब्ध है। आवश्यकता पड़ने पर सिविल पुलिस, पीआरडी और होमगार्ड के जवानों को ट्रेनिंग देकर ट्रैफिक प्रबंधन को बेहतर बनाएं। उन्होंने कहा कि अस्पतालों, स्कूलों एवं मुख्य बाजारों के बाहर टेबल टॉप स्पीड ब्रेकर का निर्माण कराए।

भतीजे आकाश आनंद के बयान से और नाराज हुईं मायावती, अब पार्टी से ही निष्कासित कर दिया

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद से नेशनल कोआर्डिनेटर सहित सभी पद छीनने के बाद अब उन्हें पार्टी से ही निष्कासित कर दिया है। अपने फैसले के बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि बसपा की आल-इण्डिया की बैठक में कल आकाश आनन्द को पार्टी हित से अधिक पार्टी से निष्कासित अपने ससुर अशोक सिद्धार्थ के प्रभाव में लगातार बने रहने के कारण नेशनल कोआर्डिनेटर सहित सभी जिम्मेदारियों से मुक्त कर दिया गया था, जिसका उसे पश्चताप करके अपनी परिपक्वता दिखानी थी लेकिन इसके विपरीत आकाश ने जो अपनी लम्बी-चौड़ी प्रतिक्रिया दी है वह उसके पछतावे व राजनीतिक मैच्युरिटी का नहीं बल्कि उसके ससुर के ही प्रभाव वाला ज्यादातर स्वार्थी, अहंकारी व गैर-मिशनरी है, जिससे बचने की सलाह मैं पार्टी के ऐसे सभी लोगों को देने के साथ दण्डित भी करती रही हूं। अतः डॉ. भीमराव आंबेडकर के आत्मसम्मान व स्वाभिमान मूवमेन्ट के हित में तथा कांशीराम की अनुशासन की परम्परा को निभाते हुए आकाश आनन्द को, उनके ससुर की तरह, पार्टी व मूवमेन्ट के हित में पार्टी से निष्कासित किया जाता है।

दरअसल, आकाश आनंद ने अपनी सफाई में कहा था कि मैं मायावती जी का कैडर हूं और उनके नेतृत्व में मैने त्याग, निष्ठा और समर्पण के कभी ना भूलने वाले सबक सीखे हैं, ये सब मेरे लिए केवल एक विचार नहीं, बल्कि जीवन का उद्देश्य हैं। आदरणीय बहन जी का हर फैसला मेरे लिए पत्थर की लकीर के समान है, मैं उनके हर फैसले का सम्मान करता हूं उस फैसले के साथ खड़ा हूं। मायावती जी द्वारा मुझे पार्टी के सभी पदों से मुक्त करने का निर्णय मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से भावनात्मक है, लेकिन साथ ही अब एक बड़ी चुनौती भी है, परीक्षा कठिन है और लड़ाई लंबी है। ऐसे कठिन समय में धैर्य और संकल्प ही सच्चे साथी होते हैं। बहुजन मिशन और मूवमेंट के एक सच्चे कार्यकर्ता की तरह, मैं पार्टी और मिशन के लिए पूरी निष्ठा से काम करता रहूंगा और अपनी आखिरी सांस तक अपने समाज के हक की लड़ाई लड़ता रहूंगा।

कुछ विरोधी दल के लोग ये सोच रहे हैं कि पार्टी के इस फैसले से मेरा राजनीतिक करियर समाप्त हो गया, उन्हें समझना चाहिए कि बहुजन मूवमेंट कोई करियर नहीं, बल्कि करोड़ों दलित, शोषित, वंचित और गरीबों के आत्म-सम्मान व स्वाभिमान की लड़ाई है। यह एक विचार है, एक आंदोलन है, जिसे दबाया नहीं जा सकता। इस मशाल को जलाए रखने और इसके लिए अपना सब कुछ न्यौछावर करने के लिए लाखों आकाश आनंद हमेशा तैयार हैं।

यूपी के कपड़ा उद्योग को मिलेगी नई पहचान, टेक्सटाइल पार्क के लिए 300 करोड़ रुपये खर्च करेगी योगी सरकार

लखनऊ, । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व और निर्देशन में यूपी का हथकरघा एवं वस्त्र उद्योग तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रदेश में यह उद्योग कृषि के बाद सबसे अधिक रोजगार प्रदान करने वाला विकेन्द्रीयकृत कुटीर उद्योग बनकर उभरा है। इस क्षेत्र में लगभग 1.91 लाख हथकरघा बुनकर एवं 80 हजार से अधिक परिवार संलग्न हैं। वहीं, 2.58 लाख पावरलूम के माध्यम से 5.50 लाख से अधिक बुनकरों को रोजगार मिल रहा है। मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने इस क्षेत्र को और अधिक सशक्त बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाओं की घोषणा की है, जिससे बुनकरों और उद्यमियों को सीधा लाभ मिलेगा। राज्य में टेक्सटाइल पार्क की स्थापना के लिए 300 करोड़ रुपए की व्यवस्था की गई है। पीएम मित्र योजना के अंतर्गत बनने वाले पार्क वस्त्र उद्योग को आधुनिक तकनीकों से लैस करेंगे और उत्पादन लागत को कम करके उद्योग को प्रतिस्पर्धात्मक बनाएंगे। इससे उत्तर प्रदेश के कपड़ा उद्योग को राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर नई पहचान मिलेगी। इसके अलावा, योगी सरकार ने वस्त्र एवं परिधान उद्योग को गति देने के लिए उत्तर प्रदेश वस्त्र-गारमेंटिंग नीति-2022 लागू की है, जिसके सफल क्रियान्वयन के लिए बजट 2025-26 में 150 करोड़ रुपए की व्यवस्था की गई है। इस नीति का उद्देश्य उत्तर प्रदेश को परिधान निर्माण का प्रमुख केंद्र बनाना है, जिससे निवेश को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय उद्यमियों को प्रोत्साहन मिलेगा। यह योगी सरकार के प्रदेश को टेक्सटाइल हब बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है, जो राज्य की अर्थव्यवस्था को और मजबूत करेंगे तथा पारंपरिक बुनकरों एवं नए उद्यमियों को नई उड़ान देंगे। पावरलूम बुनकरों की कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए योगी सरकार ने बजट में 400 करोड़ रुपए की लागत से अटल बिहारी वाजपेयी पावरलूम विद्युत फ्लैट रेट योजना को प्रस्तावित किया है। इस योजना से बुनकरों को सस्ती दरों पर बिजली उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे उनके उत्पादन की लागत कम होगी और उनकी आमदनी में वृद्धि होगी। इस पहल का उद्देश्य चुनौतियों का सामना कर रहे पावरलूम उद्योग को पर्याप्त बढ़ावा देना और बाजार में इसकी प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाना है। योगी सरकार की पहलें हथकरघा, वस्त्र और परिधान उद्योग को एक नई ऊंचाई देने के लिए मील का पत्थर साबित होंगी। आधुनिक टेक्सटाइल पार्क, सब्सिडी वाली बिजली और नई नीतियों से प्रदेश का वस्त्र उद्योग आत्मनिर्भर बनेगा और लाखों लोगों को नए रोजगार मिलेंगे। योगी सरकार के प्रयास उत्तर प्रदेश में कपड़ा उद्योग को पुनर्जीवित करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इन उपायों का उद्देश्य नवाचार को बढ़ावा देना, उत्पादकता बढ़ाना और कपड़ा क्षेत्र के विकास के लिए अनुकूल वातावरण बनाना है।

कुलपतियों की नियुक्ति में आरक्षण की व्यवस्था नहीं होती : उच्च शिक्षा मंत्री उपाध्याय

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने सोमवार को विधानसभा में कहा कि राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की नियुक्ति में आरक्षण की कोई व्यवस्था नहीं होती है लेकिन फिर भी 'सबका साथ, सबका विकास' के अनुरूप सरकार ने नियुक्तियों में सभी वर्गों को प्रतिनिधित्व दिया है।

हालांकि राज्य के विश्वविद्यालय में कुलपतियों तथा अन्य पदों पर नियुक्तियों में पिछड़े, दलित एवं अल्पसंख्यक (पीडीए) वर्गों के साथ भेदभाव का आरोप लगाते हुए समाजवादी पार्टी (सपा) के सदस्यों ने सदन से बहिर्गमन किया।

शून्य काल के दौरान सपा सदस्य संग्राम यादव ने नियम 56 के तहत यह मुद्दा उठाते हुए आरोप लगाया कि सरकार विभिन्न राज्य विश्वविद्यालय में कुलपति एवं अन्य पदों पर नियुक्तियों में पिछड़े, दलित तथा अल्पसंख्यक (पीडीए) वर्गों के साथ भेदभाव कर रही है। उन्होंने मांग करते हुए कहा कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में राज्य के विश्वविद्यालयों में कुलपति से लेकर असिस्टेंट प्रोफेसर और अन्य जितनी भी नियुक्तियां की गई हैं उनकी निष्पक्ष जांच कराई जाए, क्योंकि सरकार योग्य अभ्यर्थियों की अनदेखी करके कुलपतियों के साथ मिली भगत कर मनमाने तरीके से कुछ खास वर्गों को लाभ पहुंचाने के लिए नियुक्तियां कर रही है। यह राष्ट्र निर्माण से जुड़ा गंभीर विषय है इसलिए सदन में इस पर दो घंटे की चर्चा मंजूर की जाए।

सपा सदस्य डाक्टर आर. के. वर्मा ने सूचना की ग्राह्यता पर बल देते हुए विभिन्न विश्वविद्यालयों की नियुक्तियों में अनियमितताएं किये जाने का आरोप लगाया। उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने इसका जवाब देते हुए कहा कि सपा सदस्य सदन में भ्रम की स्थिति पैदा कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'कुलपतियों के चयन में आरक्षण की कोई व्यवस्था नहीं होती है लेकिन फिर भी सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के आदर्श वाक्य के अनुरूप सरकार ने नियुक्तियां की है और यह नियुक्तियां कुलाधिपति यानी राज्यपाल द्वारा की गई हैं।' उपाध्याय ने यह भी कहा, 'सपा के दोनों सदस्यों ने जो चिंताएं व्यक्त की हैं उन्हें कुलाधिपति कार्यालय के पास भेजा जाएगा और उचित जांच करके निर्णय लेने का अनुरोध किया जाएगा।' उन्होंने कहा, 'सदन में (सपा के) दोनों सदस्यों ने आरोप लगाए कि विश्वविद्यालय में जो अन्य नियुक्तियां होती हैं उनमें पिछड़े, दलितों तथा अल्पसंख्यकों की अनदेखी की जाती है।''

उन्होंने कहा कि इस बारे में अवगत कराना है कि लखनऊ विश्वविद्यालय में शासन द्वारा आरक्षित पदों को भरे जाने के लिए विज्ञापन के माध्यम से चयन समिति बनाई जाती है जिसमें नियमानुसार अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़ा वर्ग, महिला और अल्पसंख्यक वर्ग समेत सभी वर्गों के सदस्य नामित किए जाते हैं। उपाध्याय ने कहा, ''शिक्षकों के चयन की कार्यवाही में इन सदस्यों की उपस्थिति रहती है। इस प्रकार यह प्रक्रिया पारदर्शिता पूर्ण होती है इसलिए मैं इस पूरे विषय को चर्चा का विषय ना मानते हुए अग्राह्य करने का अनुरोध करता हूं।' इस पर अधिष्ठाता पंकज सिंह ने इस सूचना को अग्राह्य घोषित कर दिया। इसके बाद सपा के कई सदस्य विरोध जताते हुए सदन से बाहर चले गए।

सपा नेता ने सरकार की नीतियों पर उठाए सवाल, बोले- कृषि और गन्ना उद्योग को लेकर कोई ठोस योजना नहीं

लखनऊ। यूपी के बजट को लेकर विपक्ष ने कई सवाल उठाए हैं। समाजवादी पार्टी नेता आरके वर्मा के मुताबिक कृषि और गन्ना उद्योग को लेकर बजट में कुछ खास नहीं है। वर्मा ने कहा कि सरकार ने किसानों की आमदनी दोगुना करने का वादा किया था, लेकिन वह अब तक पूरा नहीं हुआ। बजट में इस वादे को लेकर कोई ठोस योजना नहीं है। इसके अलावा, मृदा स्वास्थ्य परीक्षण योजना पर भी उन्होंने आपत्ति जताई। उन्होंने कहा, ''यह योजना केवल कागजों पर चल रही है, धरातल पर इसका कोई असर नहीं है। उन्होंने यह भी बताया कि मृदा परीक्षण से भूमि की गुणवत्ता का पता चलता है, और इसमें सुधार कर फसल उत्पादन बढ़ाने की संभावना होती है, लेकिन सरकार ने इस योजना को सही तरीके से लागू नहीं किया। इसके परिणामस्वरूप, किसानों की आमदनी में कोई सुधार नहीं हुआ और गन्ना किसानों के न्यूनतम समर्थन मूल्य में भी कोई बढ़ोतरी नहीं हुई।卐 शेयर बाजार में गिरावट पर वर्मा ने कहा कि यह देश के लिए बहुत बुरी स्थिति है। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर भारत की साख गिर रही है और निवेशकों का विश्वास कम हो रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि पिछले कुछ दिनों में उत्तर प्रदेश के बजट के संबंध में भारत के निवेशकों को आठ लाख करोड़ से ज्यादा का नुकसान हुआ है। वर्मा ने यह भी आरोप लगाया कि विदेशी निवेश (एफडीआई) अब भारत से भागकर चीन जा रहा है, जो इस बात का संकेत है कि भारत सरकार की नीति पूरी तरह से विफल हो चुकी है। इसके बाद, बसपा सुप्रीमो मायावती द्वारा अपने भतीजे आकाश आनंद को पार्टी के सभी पदों से हटाने के फैसले पर आरके वर्मा ने कहा कि यह मायावती जी का व्यक्तिगत मामला है। उन्होंने कहा कि वह अपनी पार्टी के मुखिया हैं और उन्हें अपने फैसले लेने का पूरा अधिकार है।

यूपी विधानसभा में सपा ने कुलपतियों की नियुक्ति का मामला उठाया, जवाब से असंतुष्ट सदस्यों का वॉक आउट

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश विधानसभा में सोमवार को काफी गहमागहमी देखने को मिली। समाजवादी पार्टी के सदस्यों ने विश्वविद्यालयों में कार्य परिषद के चुनाव नहीं कराए जाने तथा कुलपतियों की नियुक्तियों में पीडीए वर्ग के लोगों को प्रतिनिधित्व नहीं दिए जाने के विरोध में सरकार के जवाब से असंतुष्ट होकर सदन से वॉक-आउट कर दिया।

इससे पूर्व सपा की सदस्य डॉ. रागिनी सोनकर ने प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक पर अपने सवाल का सही जवाब नहीं देने पर पूरे प्रश्न काल के लिए सदन से वाकआउट किया। सपा सदस्यों ने बजट पर चर्चा नहीं कराए जाने के विरोध में वेल में आकर धरना देकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

सपा सदस्यों का कहना था कि सरकार बिना चर्चा के विभागीय बजट पास कराकर मनमानी कर रही है। बाद में विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना के आग्रह पर सभी सदस्य अपने आसन पर जाने को राजी हुए।

शून्य प्रहर में समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ सदस्य संग्राम सिंह यादव ने विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्तियों में पिछड़ों, दलितों की उपेक्षा किए जाने का आरोप लगाते हुए कहा कि पिछले दस सालों से विश्वविद्यालयों में कार्य परिषद के चुनाव नहीं कराए गए हैं। कुलपतियों की नियुक्ति में पीडीए वर्ग को प्रतिनिधित्व नहीं मिलने से इस वर्ग के लोगों में खासी नाराजगी है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश के 30 विश्वविद्यालयों में 22 में एक ही वर्ग के लोगों को कुलपति नियुक्त किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि नियुक्तियों में व्यापक पैमाने पर भ्रष्टाचार हुआ है। योग्य उम्मीदवारों को मौका नहीं दिया जा रहा है। वरिष्ठता सूची को दरकिनार कर मनमाने तौर पर लोगों को नियुक्त किया जा रहा है।

उन्होंने एक विश्वविद्यालय के कुलपति के नाम का उल्लेख करते हुए कहा कि उनके ऊपर सरकार की खास मेहरबानी है। सपा के दूसरे सदस्य डॉ. आरके वर्मा ने भी इसी मुद्दे पर सरकार को घेरते हुए कहा कि लखनऊ विश्वविद्यालय सहित 24 राज्यों में नियुक्तियों में अनदेखी की जा रही है। कुलाधिपति ने जिस सहायक प्रोफेसर का पदावनत करने का आदेश दिया, उसे लखनऊ विश्वविद्यालय ने प्रोन्नति दे दी। इसके अलावा भी लखनऊ विश्वविद्यालय में नियमों की अनदेखी की जा रही है। इसके अलावा शिक्षकों के खिलाफ द्वेष भावना से कार्रवाई की जा रही है।

जवाब में उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने कहा कि विपक्ष के सदस्यों ने जो आरोप लगाए गए हैं, वे निराधार हैं। कुलपतियों की नियुक्तियां कुलाधिपति करते हैं। उनकी नियुक्तियों में पीडीए को प्रतिनिधित्व दिया जा रहा है। कुलपतियों की नियुक्तियों में आरक्षण की कोई व्यवस्था नहीं है। कार्य परिषद का चुनाव कराने के लिए पूर्व में लिखा जा चुका है।

उच्च शिक्षा मंत्री के जवाब से असंतुष्ट होकर विपक्ष सदन से बाहर निकल गया।

इससे पूर्व प्रश्न प्रहर में सपा की सदस्य डॉ. रागिनी सोनकर ने प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक पर स्वास्थ्य संबंधी सवाल का सही जवाब नहीं देने और सपा नेतृत्व पर अमर्यादित टिप्पणी करने का आरोप लगाते हुए पूरे प्रश्न काल के लिए सदन से वॉकआउट किया।

नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय सहित सपा के एक अन्य सदस्य ने छुट्टा गोवंशों से फसलों के होने वाले नुकसान और निराश्रित गोवंशों का मामला उठाया। सपा सदस्यों ने कहा कि सरकार के तमाम दावों के बावजूद गायों की स्थिति मरणासन्न हो रही है।

पशुधन मंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा कि निराश्रित गोवंश छुट्टा नहीं छोड़े गए हैं। निराश्रित गोवंशों की देखभाल और उनके रखरखाव के लिए सरकार ने दिशानिर्देश जारी किए हैं। इसके लिए प्रभारी अधिकारियों की नियुक्ति की जा चुकी है। बजट में निराश्रित गोवंशों के लिए दो हजार करोड़ की व्यवस्था है। सपा की सरकार में कसाई को देखकर गाय कांपती थी, अब समय बदला है, गाय को देखकर कसाई कांप रहे हैं।

प्रश्न काल के दौरान सपा विधायक महबूब अली के प्रश्न का उत्तर देते हुए पर उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि एचएमपीवी वायरस को लेकर सदस्य की चिंता से पहले हमारी सरकार ने चिंता की है, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बैठक करके सारी व्यवस्थाओं को लेकर जानकारी ली और दिशा निर्देश भी दिए हैं। हम प्रदेश में पैनिक नहीं होने देना चाहते हैं। प्रदेश के सारे जिलों में इलाज के पुख्ता इंतजाम कर लिए गए हैं।

जेवर एयरपोर्ट में एक्सपोर्ट हब स्थापित करने की योजना को मिली गति, मुख्य सचिव की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण बैठक संपन्न

फ्यूचर लाइन टाईम्स-जेवर (गौतमबुद्ध नगर): नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, जेवर में एक्सपोर्ट हब स्थापित करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह की अध्यक्षता में इन्नोवा फूड पार्क, वर्ल्ड बैंक, एआई सैट्स, कंसेशनायर और नायल (नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड) के प्रतिनिधियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

हॉर्टिकल्चर आधारित एक्सपोर्ट हब और फाइनेंशियल मॉडल पर जोर

मुख्य सचिव ने हॉर्टिकल्चर आधारित एक्सपोर्ट हब को विकसित करने और इसके वित्तीय मॉडल पर सभी संबंधित पक्षों को समन्वय करने के निर्देश दिए। इस दौरान नायल के सीईओ डॉ. अरुण वीर सिंह ने एक्सपोर्ट हब के लिए गामा रेडिएशन सुविधा हेतु भूमि उपलब्ध कराने का प्रस्ताव रखा, जिससे कृषि उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा मिल सके।

कनेक्टिविटी और यूटिलिटीज की प्रगति की समीक्षा

मुख्य सचिव ने कनेक्टिविटी और यूटिलिटीज परियोजनाओं की समीक्षा की, जहां नायल के सीईओ डॉ. अरुण वीर सिंह और नोडल अधिकारी शैलेन्द्र कुमार भाटिया ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से प्रगति से अवगत कराया।

इसके तहत एयर ट्रैफिक कंट्रोल (ATC) बिल्डिंग, टर्मिनल बिल्डिंग, वाटर ट्रीटमेंट प्लांट और सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का स्थलीय निरीक्षण किया गया। मुख्य सचिव ने टाटा प्रोजेक्ट लिमिटेड को कार्य में तेजी लाने के लिए वर्कफोर्स बढ़ाने के निर्देश दिए।

8 लेन एक्सप्रेसवे और अन्य कनेक्टिविटी परियोजनाओं का निरीक्षण

मुख्य सचिव ने यमुना एक्सप्रेसवे से जेवर एयरपोर्ट को जोड़ने वाले 8 लेन के एक्सप्रेसवे और इंटरचेंज का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान ठलअक के रीजनल अधिकारी मोहम्मद सफी ने अवगत कराया कि इसकी कनेक्टिविटी पूर्ण हो चुकी है और यह ऑपरेशन के लिए तैयार है।

नोडल अधिकारी शैलेन्द्र भाटिया ने जानकारी दी कि 486 करोड़ रुपये की लागत से बने इस एक्सप्रेसवे का निर्माण ठलअकद्वारा किया गया है।

इसके अलावा, 30 मीटर नॉर्थ ईस्ट कनेक्टिविटी, VIP एग्जिट, 60 मीटर सर्विस रोड और हाइड्रो अब्स्ट्रक्शन वेल से जलापूर्ति परियोजनाओं का भी निरीक्षण किया गया।

बैठक में शामिल प्रमुख अधिकारी

इस महत्वपूर्ण बैठक और स्थलीय निरीक्षण के दौरान मेरठ मंडलायुक्त, जिलाधिकारी गौतमबुद्ध नगर, नायल के सीईओ क्ष्मेन क्रिस्टोफ, सीओओ किरण जैन, प्रोजेक्ट हेड दिनेश जम्वाल सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

जेवर एयरपोर्ट का भविष्य और एक्सपोर्ट हब की संभावना

जेवर एयरपोर्ट को भारत के सबसे बड़े लॉजिस्टिक और एक्सपोर्ट हब के रूप में विकसित करने की दिशा में यह बैठक एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगी। इस परियोजना से कृषि, व्यापार और औद्योगिक क्षेत्रों को नया आयाम मिलेगा, जिससे स्थानीय और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) प्रथम इकाई, राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) के तृतीय दिवस का हुआ शुभारंभ

फ्यूचर लाइन टाईम्स-दादरी। कार्यक्रम संयोजक डां. सीमा देवी ईकाई प्रथम ने बताया कि प्राथमिक विद्यालय, डेरी मच्छा आयोजक राष्ट्रीय सेवा योजना (ठरर) प्रथम इकाई द्वारा किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) के तृतीय दिवस का शुभारंभ प्राचार्य अनीता राठौर के मार्गदर्शन में सर्व- धर्म प्रार्थना के साथ हुआ, जिसमें विभिन्न धर्मों के मूल संदेशों को साझा करते हुए समाज में एकता और सद्भावना बनाए रखने का संकल्प लिया गया। इसके बाद "सड़क सुरक्षा" विषय पर जागरूकता रैली एवं निकट ग्रामीण क्षेत्र में साफ - सफाई का कार्य किया ,तत्पश्चात पौधारोपण कार्य किया गया। स्वयंसेवीयो ने हाथों में जागरूकता संबंधी तख्तियां लेकर स्थानीय क्षेत्र में सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों को जागरूक किया और सड़क सुरक्षा संबंधित नियमों के नाम ओके विषय में समझाया। कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में दिव्य दर्शन योग संस्थान बादलपुर के योगाचार्य श्री करण बहादुर जी द्वारा शिवार्थियों को योग प्रशिक्षण दिया तत्पश्चात योग के महत्व विषय पर व्याख्यान दिया गया। योगाचार्य द्वारा बताया गया कि किस प्रकार योग हमारे दैनिक जीवन में सम्मिलित होकर हमें मानसिक ,शारीरिक रूप से स्वस्थ रख सकता है, किस किस प्रकार अपने आंतरिक मन को संतुष्ट रख उदासीनता व एंजायटी आदि नकारात्मक तत्वों से दूर रह सकते हैं। योग हमें सकारात्मक से दूर रखता है अतः हमें योग को अपने प्रतिदिन दिनचर्या का भाग बनाना चाहिए। इसके पश्चात थाना बादलपुर से कांस्टेबल इंदिरा शर्मा द्वारा छात्राओं को महिला सशक्तिकरण से संबंधित व्याख्यान दिया साथ ही महिला हेल्पलाइन नंबर ऑन के विषय में जानकारी दें उसे बताया कि किस प्रकार सोशल मीडिया छात्राओं के जीवन को प्रभावित करता है। इसके सकारात्मक तथा नकारात्मक पहलुओं पर चर्चा की। तृतीय सत्र में लोकगीत प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें सभी छात्राओं ने बढ़ - चढ़कर हिस्सा लिया। जिसके परिणाम निम्नवत है- प्रथम स्थान- रीतीका, द्वितीय स्थान - अंशिका एवं तृतीय स्थान - खुशी ने प्राप्त किया। कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

आम आदमी पार्टी ने चलाया स्वच्छता जागरुकता अभियान, विपक्ष पर साधा निशाना

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। आम आदमी पार्टी, गौतमबुद्ध नगर द्वारा डॉ. बी. आर. अंबेडकर पार्क, सेक्टर 37 नोएडा में एक विशेष श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अभियान का नेतृत्व जिलाध्यक्ष राकेश अवाना ने किया।जिसमें सैकड़ों कार्यकताओं और स्थानीय नागरिकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।कार्यक्रम के दौरान पार्क और आसपास के क्षेत्र की सफाई की गयी।डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की प्रतिमा की साफ-सफाई की गयी और स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाया गया। यह अभियान सिर्फ सफाई तक सीमित नहीं था, बल्कि समाज में जिम्मेदारी और जागरूकता की भावना विकसित करने का भी संदेश था।जिलाध्यक्ष राकेश अवाना ने कहा कि स्वच्छता हर नागरिक का कर्तव्य है।आम आदमी पार्टी केवल वादों की राजनीति नहीं करती, बल्कि जमीनी स्तर पर काम करके बदलाव लाने के लिए प्रतिबद्ध है।उन्होंने कहा कि यह श्रमदान अभियान पार्टी के संकल्प का हिस्सा है, जिसके तहत हर नागरिक को समाज सुधार में भागीदार बनाया जाएगा।उन्होंने विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि अन्य पार्टियां केवल दिखावे की राजनीति करती हैं और जनता के असली मुद्दों से दूर रहती हैं। लेकिन आम आदमी पार्टी अपने कार्यों से यह साबित कर रही है कि सच्ची राजनीति का मतलब जनता के बीच जाकर उनके साथ काम करना है।आम आदमी पार्टी आगे भी ऐसे सामाजिक अभियानों को जारी रखेगी और स्वच्छ, जागरूक व सशक्त समाज के निर्माण के लिए निरंतर कार्य करती रहेगी।इस अवसर पर किसान प्रकोष्ठ प्रदेशाध्यक्ष अशोक कमांडो, जिला महासचिव कैलाश शर्मा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष दिलदार अंसारी, जिला सचिव जयकिशन जयसवाल, जिला सचिव अफजल चौधरी, जिला सचिव प्रवीन धीमान, नवीन चौधरी, राजकुमार , दीपक कुमार,सहित कई वरिष्ठ पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

महिला दिवस पर डॉ. नाज परवीन को मिलेगा 'वूमेन प्राइड अवॉर्ड', जयपुर में होगा सम्मान समारोह

फ्यूचर लाइन टाईम्स जयपुर/ग्रेटर नोएडाः महिला सशक्तिकरण और बालिका शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाली डॉ. नाज परवीन को इस वर्ष स्वामी विवेकानंद वूमेन प्राइड अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार राजस्थान के जयपुर शहर में 8 मार्च 2025 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह में प्रदान किया जाएगा।

बालिका शिक्षा के लिए समर्पित डॉ. नाज परवीन

बुंदेलखंड, बाँदा की रहने वाली डॉ. नाज परवीन इतिहास विषय की विद्वान हैं और श्री द्रोणाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय (दनकौर, गौतमबुद्ध नगर, ग्रेटर नोएडा) में सहायक आचार्य के रूप में कार्यरत हैं। वे बालिका शिक्षा और महिला सशक्तिकरण के प्रति समर्पित हैं और इसी दिशा में अपने लेखन और अध्यापन के माध्यम से जागरूकता फैलाने का कार्य कर रही हैं।

संस्था ने जताया गर्व

स्वामी विवेकानंद बालिका शिक्षा प्रचार समिति, जयपुर के अध्यक्ष डॉ. शैलेन्द्र मौर्य ने सोशल मीडिया के

माध्यम से इस सम्मान की घोषणा की। उन्होंने कहा कि "डॉ. नाज परवीन को यह सम्मान उनके उत्कृष्ट नारीवादी लेखन और बालिका शिक्षा के प्रति योगदान के लिए दिया जा रहा है। समिति को उन पर गर्व है।"

14 वर्षों से शिक्षा और लेखन में सक्रिय

डॉ. नाज परवीन पिछले 14 वर्षों से अध्ययन, अध्यापन और नारीवाद पर गहन लेखन कर रही हैं। उन्हें इससे पहले भी महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए कई सम्मान मिल चुके हैं। इस अवसर पर उन्हें प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किया जाएगा।

उनकी यह उपलब्धि महिला शिक्षा और सशक्तिकरण के क्षेत्र में कार्यरत सभी लोगों के लिए प्रेरणा बनेगी।

ग्राम दुजाना की बेटी प्रीति नागर ने खफक्ष्उत्तीर्ण कर रौशन किया गांव का नाम, हुआ भव्य स्वागत

फ्यूचर लाइन टाईम्स-ग्राम दुजाना (02 मार्च 2025): ग्राम दुजाना की होनहार बेटी प्रीति नागर ने अपनी मेहनत और प्रतिभा के दम पर नेट (NET) परीक्षा को जेआरएफ (JRF) सहित उत्तीर्ण कर अपने परिवार और पूरे गांव का नाम रोशन किया। उनकी इस उपलब्धि पर नागर क्लब, दुजाना (शूटिंग बॉल) द्वारा बाबा फार्म हाउस पर उनका भव्य स्वागत किया गया।

फूल-मालाओं से किया गया सम्मान

गांव में आगमन पर प्रीति नागर का फूल-मालाओं और बुके देकर अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर ग्राम के गणमान्य नागरिकों ने उन्हें शाल ओढ़ाकर और मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया।

नारी शिक्षा और सशक्तिकरण का उदाहरण

प्रीति नागर, स्व. श्री राजपाल नागर (विचपटिया) की सुपुत्री हैं और श्री राजकुमार आर्य (एडवोकेट) व आजाद नागर की भतीजी हैं। उनकी सफलता नारी शिक्षा और सशक्तिकरण का प्रेरणादायक उदाहरण बनी है। नागर क्लब और ग्रामवासियों ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और कहा कि उनकी उपलब्धि अन्य बेटियों के लिए मार्गदर्शन और प्रेरणा स्त्रोत बनेगी।

गांव के गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति

इस अवसर पर ग्राम दुजाना के प्रतिष्ठित नागरिक उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुख रूप से बाबा महाराज सिंह नागर, देसराज सिंह, मा. बिरम सिंह, राजवीर सिंह शाहजी, ऋषि ठेकेदार, तेजपाल सिंह, लीलू हवलदार, ईश्वर शर्मा, बबलू बाबा, श्याम सिंह, महेन्द्र नागर मंडल अध्यक्ष भाजपा, राजसिंह नागर, विनोद नागर, अजेन्दर नागर, राजू दरोगा, सुनील बाबा (प्रधानाचार्य), आजाद नागर, संसार नागर, अजीत एडवोकेट, तेजवीर नेता, डॉ. देवेंद्र नागर, अजीत नागर (सचिव, बार एसोसिएशन),अजीत नागर एडवोकेट चाचा, विवोद नागर (पूर्व सैनिक), कर्मवीर (सहसंपादक), विक्की, विनय एडवोकेट, हरवीर नागर सहित अन्य ग्रामीण शामिल रहे।

गांव की शान बनीं प्रीति नागर

प्रीति नागर की यह उपलब्धि गांव के लिए गर्व का विषय है और इस सफलता ने पूरे क्षेत्र में उत्साह और प्रेरणा का संचार किया है। उनकी मेहनत और लगन ने यह साबित कर दिया कि संघर्ष और समर्पण से हर लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है।

कैलाश अस्पताल समूह के द्वारा नोएडा स्टेडियम में क्रिकेट फ्रेंडशिप मैच का हुआ आयोजन

फ्यूचर लाइन टाईम्स

नोएडा। दिनांक 02 मार्च 2025 (रविवार) को कैलाश अस्पताल समूह (सैक्टर 71 एवं सेक्टर 27, नोएडा) द्वारा नोएडा स्टेडियम, सेक्टर 21ए में क्रिकेट का फ्रेंडशिप मैच खेला गया। कैलाश अस्पताल सैक्टर 27 की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया और 20 ओवर में 100 रन का लक्ष्य दिया। कैलाश अस्पताल सैक्टर 71 की टीम ने 15 ओवर में ही लक्ष्य प्राप्त कर जीत दर्ज की।

इस मैच में कैलाश अस्पताल सैक्टर 71 नोएडा के टीम के कप्तान डा. सुधीर कुमार एवं कैलाश अस्पताल, सैक्टर 27, नोएडा के टीम के कप्तान डॉ. अमित सक्सेना रहे। कैलाश अस्पताल सैक्टर 71 के डा. राहुल तिवारी को मैन ऑफ दी मैच से सम्मानित किया गया।

डॉ. उमा शर्मा ने विजयी टीम को पुरस्कृत किया और इस अवसर पर आशा व्यक्त करते हुए कहा कि खेल के कार्यक्रम कैलाश अस्पताल समूह द्वारा समय-समय पर आयोजित किए जाएंगे। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में चेयरपर्सन डा. उमा शर्मा, डायरेक्टर डॉ. पल्लवी शर्मा, और डायरेक्टर डा. श्रीकांत शर्मा भी उपस्थित रहे।

इस मैच का लुत्फ कैलाश अस्पताल के सदस्यों ने काफी उत्साह के साथ उठाया और कार्यक्रम को सफलतापूर्वक सम्पन्न किया।

जेल से रिहा होकर घर जा रहे युवक पर की फायरिंग, पुलिस ने शूटर को दबोचा

फ्यूचर लाइन टाईम्स-ग्रेटर नोएडा : ईकोटेक-1 कोतवाली पुलिस ने जेल से रिहा होकर घर जा रहे एक युवक पर फायरिंग करने वाले आरोपी को रविवार को एएमआर मॉल के पास से गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान पंचारा गांव थाना ट्रोनिका सिटी गाजियाबाद के सुमित मंडार के रूप में हुई है। आरोपी वर्तमान में बदरपुर गांव खादर नॉर्थ ईस्ट दिल्ली में रह रहा था। आरोपी के पास से एक अवैध तमंचा, कारतूस सहित बरामद हुआ है। सादुल्लापुर में रहने वाले एक व्यक्ति ने ईकोटेक-1 कोतवाली में केस दर्ज कराया था कि चार फरवरी को वह जिला कारागार लुक्सर से रिहा होकर अपने सथियों के साथ घर जा रहे थे। इसी दौरान फैक्ट्री एरिया मंदिर के पास मनोज नागर व उसके भाई कपील नागर ने अपने साथियों के साथ उनके ऊपर जान से मारने की नियत से फायरिंग कर दी थी। फायरिंग के दौरान छर्रा राहगीर को लगा था। पीड़ित को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था। किसी तरह वह जान बचाकर थाने पहुंचे और रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की थी। पुलिस ने मामले में दो आरोपियों को प्रिंस और अभिषेक को मुठभेड़ में गिरफ्तार किया था। वहीं, तीसरे आरोपी सौरभ को कॉम्बिंग के दौरान गिरफ्तार किया गया था। आरोपी प्रिंस से एक पिस्टल, कारतूस, जबकि अभिषेक से एक तमंचा, कारतूस और एक स्विफ्ट कार बरामद की गई। आरोपी प्रिंस शार्प शूटर है, जो पैसे लेकर किसी की भी हत्या को अंजाम देने में माहिर है। आरोपी 4 फरवरी को पीड़ित को जान से मारने के लिए की गई फायरिंग में शामिल था। मामले में एक आरोपी ने सरेंडर किया था। वहीं दो आरोपियों को बाद में गिरफ्तार किया गया था। वहीं, कोतवाली प्रभारी अरविंद कुमार का कहना है कि जांच में पता चला है पुराने विवाद को लेकर दोनों पक्षों में विवाद हुआ था। मामले में अब तक छह आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं। आरोपी मेरठ से अवैध तमंचा खरीदकर लाया था। आरोपी घटना वाले दिन मौजूद था।

सड़क हादसे में कंपनी सेक्रेटरी की मौत

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। बिसरख से बाइक कैब से दिल्ली लाजपत नगर अपने ऑफिस जा रही है सीएस (कंपनी सेक्रेटरी) की एसजेएम हॉस्पिटल के पास ट्रक की टक्कर से सड़क हादसे में मौत हो गई। हादसे में बाइक कैब चला रहा व्यक्ति को भी चोट आई है। युवती के भाई की तरफ से सेक्टर 63 थाने में हरियाणा नंबर के ट्रक के खिलाफ शिकायत दी गई है। युवती का नाम आकांक्षा गोयल हैं। वह मूल रूप से ग्वालियर मध्यप्रदेश की रहने वाली थी। हाल में वह अपने भाई गौरव के साथ ऐस सिटी बिसरख में रह रही थी। उनके भाई की शिकायत पर केस दर्ज किया गया है।

आकांक्षा सोसायटी से बाइक कैब बुक कर ऑफिस जा रही थी। जब वह एसजेएम हॉस्पिटल के पास पहुंची तो पीछे से एक तेज रफ्तार ट्रक आ रहा था। कैब चालक उसे आगे निकलने के लिए साइड ही दे रहा था, लेकिन वह इतनी तेज रफ्तार में था कि उसने बाइक में पीछे से टक्कर मार दी। जिसमें आकांक्षा ट्रक के नीचे आ गईं। हालांकि इसमें कैब चालक को ज्यादा चोट नहीं आई है। वहीं हादसे के बाद आरोपी वहां बिना रुके निकल गया। पुलिस की टीमें आरोपी चालक की तलाश में जुटी हुई है। आशंका है कि वह हरियाणा का रहने वाला है। पुलिस चालक के करीब पहुंच गई है। जल्द ही उसको धर पकड़ हो सकती है।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने अजनारा होम्स सोसायटी प्रबंधन पर ठोंका एक लाख का जुमार्ना

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट में समस्याएं कम होने का नाम नहीं ले रही है। ताजा मामला अजनारा होम्स सोसायटी का है। यहां के निवासियों ने कूड़ा निस्तारण की अव्यवस्था से नाराज होकर एक गाना बनाया और उसको सोशल मीडिया पर वायरल किया। तिलमिलाए सोसायटी प्रबंधन ने निवासी को 50 लाख के मानहानि का नोटिस भेज दिया। मामले ने तूल पकड़ा तो ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की टीम सोसायटी में पहुंच गई। कूड़ा निस्तारण में अव्यवस्था मिलने पर सोसायटी प्रबंधन पर एक लाख आठ सौ रुपए का जुमार्ना लगाया गया है। निवासी और सोसायटी प्रबंधन के बीच शुरू हुई रार और लंबी खिंचती हुई दिखाई दे रही है। दोनों पक्षों के बीच लगातार तनातनी की स्थिति बनी हुई है।

अजनारा होम्स सोसायटी में एन टावर की बेसमेंट पार्किंग में डंपिंग यार्ड बना दिया गया। जहां एक तरफ लोगों को वाहन खड़ा करने में परेशानी होती है वहीं दूसरी तरफ बदबू से भी हाल बेहाल होता है। साथ ही सोसायटी में कई अन्य समस्याएं भी हैं। कई बार की जा चुकी शिकायत के बाद भी समस्याएं दूर नहीं हो रही हैं। विरोध में लोगों ने एक गाना तैयार कराया है। जिसके शब्द हैं कब बंद होगी लोटस बिल्डर की लूट, लोटस को बुद्धि दे भगवान, अजनारा की झूठी बोली, प्लास्टर झड़े लिफ्ट बेहाल। यह गाना खूब वायरल हो रहा है।

जनता फ्लैट में दूषित पेयजल की समस्या बरकरार

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट के सेक्टर- तीन स्थित पंचमुखी जनता फ्लैट में दूषित पेयजल की आपूर्ति की समस्या दूर नहीं हो रही है। दूषित पेयजल के सेवन से पूर्व में काफी लोग बीमार हुए थे, कारण निवासियों को चिंता सता रही है। आरोप है कि प्राधिकरण से इस मामले को लेकर कई बार शिकायत की जा चुकी है, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो रहा है। सेक्टर-3 के डी ब्लॉक में जनता फ्लैट का निर्माण किया गया है, जिसमें करीब 600 परिवार रहते हैं। सोसाइटी का रखरखाव ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के द्वारा किया जाता है। सोसाइटी के निवासियों का आरोप है कि पिछले डेढ़ माह से दूषित पेयजल की आपूर्ति की जा रही है। जिसका सेवन करने से लोग लगातार बीमार पड़ रहे हैं। निवासी शैलेंद्र ने बताया कि शिकायत के बाद प्राधिकरण के अधिकारी सोसाइटी में लीकेज की समस्या का समाधान करने के लिए पहुंचे और पानी के सैंपल भी जांच के लिए भेजा, लेकिन अब तक समस्या का समाधान नहीं हुआ है। निवासियों का आरोप है कि लोगों के घरों में लगातार गंदे पानी की आपूर्ति हो रही है। वहीं इस मामले में प्राधिकरण के प्रबंधक प्रभात कुमार का कहना है कि लोगों की शिकायत पर टीम ने मौके पर पहुंचकर लीकेज की समस्या का समाधान किया था। प्राधिकरण द्वारा आपूर्ति किए जा रहे पेयजल में कोई दिक्कत नहीं है। दूषित पेयजल की आपूर्ति की जांच की जाएगी।

गांजा के साथ तस्कर गिरफ्तार

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। फेज-3 पुलिस ने दिल्ली से गांजा लाकर शहर के अलग-अलग हिस्से में बेचने वाले तस्कर को सोमवार को गिरफ्तार कर लिया। उसकी पहचान शाहजहांपुर निवासी अजय कुमार के रूप में हुई है। उसके पास से एक किलो 250 ग्राम गांजा बरामद हुआ है। उसके खिलाफ सेक्टर-20 और फेज तीन थाने में तीन केस आर्म्स ऐक्ट और एनडीसीपीएस की धाराओं में दर्ज हैं। पूछताछ में तस्कर ने बताया कि वह दिल्ली से गांजा लाकर उसकी पुड़िया बनाता है और तीन गुना दाम पर बेच देता है। आरोपी बीते आठ साल से गांजे की तस्करी कर रहा है और पूर्व में जेल भी जा चुका है।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
फ्यूचर लाइन टाईम्स

यौन अत्याचारों के बढ़ने की त्रासदी पर लगाम लगे

ललित गर्ग

बालिकाओं एवं महिलाओं के खिलाफ हो रहे अपराध, खासतौर पर यौन अपराध के ज्यादातर मामले सामने नहीं आ पाते, विशेषतः बालिकाएं समझ ही नहीं पाती कि उनके साथ कुछ गलत हो रहा है। अगर वे समझती भी हैं तो डांट के डर से अभिभावकों से इस बारे में बात नहीं करती हैं। महिला एवं बाल विकास कल्याण मंत्रालय के अध्ययन में भी यही बात सामने आई है।

यौन शोषण दुनिया के लिए बड़ी समस्या है, जो दुनिया भर में है। हालांकि कुछ देशों में महिलाएं अधिक असुरक्षित एवं यौन उत्पीड़न, शोषण एवं हिंसा की शिकार हैं, इनमें दक्षिण पूर्व एशिया, पूर्वी यूरोप और कुछ लैटिन अमेरिकी और कैरेबियाई देशों शामिल हैं, भारत की स्थिति भी बहुत ज्यादा अच्छी नहीं कहीं जा सकती। वेश्यावृत्ति के उद्देश्यों के लिए इन क्षेत्रों की तस्करी वाली महिलाओं को आम तौर पर तथाकथित विकसित दुनिया के देशों में ले जाया जाता है। महिलाओं को इसी त्रासदी से मुक्ति दिलाने के लिये ही दुनियाभर में 4 मार्च को यौन शोषण के विरुद्ध संघर्ष का विश्व दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसका उद्देश्य महिलाओं को यौन शोषण के विरुद्ध आवाज उठाने के लिए प्रेरित करना है। दुनियाभर में महिलाओं और बच्चों के साथ रोजाना कई प्रकार के यौन शोषण के मामले सामने आते रहते हैं। यह अनुमान लगाया गया है कि हर दिन औसतन आठ महिलाएं, लड़कियां और अक्सर युवा लड़कों का यौन शोषण किया जाता है।

यौन उत्पीड़न किसी भी प्रकार का अवांछित यौन प्रस्ताव, यौन पक्ष के लिए अनुरोध, यौन प्रकृति का मौखिक या शारीरिक आचरण या इशारा, या यौन प्रकृति का कोई अन्य व्यवहार है, जिसकी उचित रूप से अपेक्षा की जा सकती है या जिसे किसी अन्य के लिए अपमान या अपमान का कारण माना जा सकता है, जब ऐसा आचरण काम में बाधा डालता है, जो सहायता कर्मियों द्वारा साथी सहायता कर्मियों के विरुद्ध किया जाता है। यूनिसेफ ऐसे सभी प्रकार के यौन दुराचार, यौन उत्पीडन, अत्याचार और यौन हिंसा से निपटने के लिए प्रतिबद्ध है। संयुक्त राष्ट्र यौन शोषण और यौन दुर्व्यवहार, यौन उत्पीड़न और बच्चों के खिलाफ यौन हिंसा के बीच अंतर करता है। यौन शोषण एक यौन प्रकृति का वास्तविक या धमकी भरा शारीरिक अतिक्रमण है, चाहे बलपूर्वक या असमान या बलपूर्वक परिस्थितियों में, सहायता कार्यकताओं द्वारा उन बच्चों और परिवारों के खिलाफ किया जाता है जिनकी हम सेवा करते हैं।

यौन उत्पीड़न समाज में हर जगह पसरा है, कार्यस्थल, शैक्षणिक संस्थान और घर से लेकर धार्मिक स्थलों में महिलाएं एवं बालिकाएं असुरक्षित है। ग्रामीण इलाकों में 26 प्रतिशत महिलाएं, शहरी इलाकों में 21 प्रतिशत और उपनगरीय इलाकों में 18 प्रतिशत महिलाएं यौन उत्पीड़न की शिकार होती हैं। जो महिलाएं अपनी आय का मुख्य स्रोत टिप पर निर्भर रहती हैं, उनके यौन उत्पीड़न की संभावना दोगुनी होती है। कॉलेज के दो-तिहाई छात्र यौन उत्पीड़न का अनुभव करते हैं। 12-17 साल की उम्र के 1.6 प्रतिशत बच्चे बलात्कार या यौन उत्पीड़न के शिकार होते हैं। यौन उत्पीड़न का शिकार हुई चार किशोर बालिकाओं एवं बच्चों में से लगभग तीन यानी 74 प्रतिशत कोई ऐसी बालिका या बच्चे अपने ही किसी परिचित से हुए, जिसे वे अच्छी तरह से जानती थे। यौन शोषण कई तरह से किया जाता है, जैसे अवांछित यौन स्पर्श 49 प्रतिशत, साइबर यौन उत्पीड़न 40 प्रतिशत, अवांछित जननांग प्रदर्शन 30 प्रतिशत, शारीरिक रूप से पीछा किया जाना 27 प्रतिशत और यौन उत्पीड़न 23 प्रतिशत है।

यह दिवस देश एवं दुनिया में महिलाओं और बालिकाओं के साथ हो रहे यौन शोषण के मामलों पर लगाम लगाने के लिये जागरूकता की मुहिम है। इसका मुख्य उद्देश्य यौन शोषण और वेश्यावृत्ति में लिप्त महिलाओं को बचाकर उन्हें सामान्य जीवन जीने के लिए प्रेरित करना भी है। महिलाओं एवं बालिकाओं पर बढ़ते यौन अत्याचारों को देखते हुए यह प्रतीत होता है कि इक्कीसवीं सदी का सफर करते हुए तमाम तरह के विकास के वायदे खोखले साबित हो रहे हैं। भारत के लिये निश्चित रूप से यह चिंताजनक है और हमारी विकास-नीतियों पर सवाल भी उठाती है। बड़ा सवाल तो तब खड़ा हुआ जब सुप्रीम कोर्ट में पेश आंकड़ों के मुताबिक 2016 में ही देश भर में करीब एक लाख बच्चे यौन अपराधों के शिकार हुए। कितनी विडम्बना है कि देश में हम ह्यबेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओह्ण का नारा बुलन्द करते हुए एक जोरदार मुहिम चला रहे हैं उस देश में लगातार बालिकाएं यौन शोषण का शिकार हो रही है। यह दाग ह्यएक भारत, श्रेष्ठ भारतह्ण के संकल्प पर भी लगा है और यह दाग हमारे द्वारा नारी को पूजने की परम्परा पर भी लगा है। लेकिन प्रश्न है कि हम कब बेदाग होंगे? अच्छे भविष्य के लिए हम बेटियों की पढ़ाई से ही सबसे ज्यादा उम्मीदें बांधते हैं। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसे नारे हमारे संकल्प को बताते हैं, हमारी सदिच्छा को दिखाते हैं, भविष्य को लेकर हमारी सोच को जाहिर करते हैं, लेकिन वर्तमान की हकीकत इससे उलट है। वे पढ़ाई में अपने झंडे भले ही गाड़ दें, लेकिन उन्हें आगे बढ़ने से रोकने की क्रूरताएं कई तरह की हैं। उसका मुख्य कारण है सदियों से चली आ रही कुरीतियाँ, अंधविश्वास व बालिकओ को भोग्या समझने की विकृत मानसिकता।

बालिकाओं के साथ होने वाली त्रासद एवं अमानवीय घटनाएं -निर्भया कांड, नितीश कटारा हत्याकांड, प्रियदर्शनी मट्टू बलात्कार व हत्याकांड, जेसिका लाल हत्याकांड, रुचिका मेहरोत्रा आत्महत्या कांड, आरुषि मर्डर मिस्ट्री की घटनाओं में पिछले कुछ सालों में इंडिया ने कुछ और ऐसे मौके दिए जब अहसास हुआ कि भ्रूण में किसी तरह नारी अस्तित्व बच भी जाए तो दुनिया के पास उनके साथ और भी बहुत कुछ है बुरा करने के लिए। बहशी एवं दरिन्दे लोग ही बालिकाओं को नहीं नोचते, समाज के तथाकथित ठेकेदार कहे जाने वाले लोग और पंचायतें, तथाकथित राम-रहीम जैसे धर्मगुरु भी बालिकाओं की स्वतंत्रता एवं अस्मिता को कुचलने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रहे हैं, स्वतंत्र भारत में यह कैसा समाज बन रहा है, जिसमें महिलाओं की आजादी छीनने की कोशिशें और उससे जुड़ी यौन उत्पीड़न एवं हिंसक की त्रासदीपूर्ण घटनाओं ने बार-बार हम सबको शर्मसार किया है। यौन शोषण के विरुद्ध संघर्ष का विश्व दिवस का यह अवसर इन त्रासद एवं क्रूर स्थितियों पर आत्म-मंथन करने का है, क्योंकि बालिकाओं एवं महिलाओं के समावेश, न्याय व सुरक्षा की स्थिति को बताने वाले वैश्विक शांति व सुरक्षा सूचकांक के 177 देशों में भारत का 128वां स्थान है। एनसीआरबी की रिपोर्ट के अनुसार, महिलाओं के विरूद्ध अपराध में राष्ट्रीय औसत 66.4 प्रतिशत है। राजधानी दिल्ली का स्थान 144.4 अंकों के साथ सर्वोच्च है। माना जाता है कि 90 प्रतिशत यौन उत्पीड़न जान-पहचान के व्यक्ति ही करते हैं। यानी बालिकाएं अपने ही घर या परिचितों के बीच सबसे ज्यादा असुरक्षित है।

बालिकाओं एवं महिलाओं के खिलाफ हो रहे अपराध, खासतौर पर यौन अपराध के ज्यादातर मामले सामने नहीं आ पाते, विशेषतः बालिकाएं समझ ही नहीं पाती कि उनके साथ कुछ गलत हो रहा है। अगर वे समझती भी हैं तो डांट के डर से अभिभावकों से इस बारे में बात नहीं करती हैं। महिला एवं बाल विकास कल्याण मंत्रालय के अध्ययन में भी यही बात सामने आई है। बालिकाओं पर बढ़ रहे यौन अपराधों पर नियंत्रण पाने के लिये व्यापक प्रयत्नों की अपेक्षा है। बालिकाओं एवं बच्चों से खुलकर बात करें। उनकी बात सुने और समझें। अगर बालिकाओं एवं बच्चे कुछ ऐसा बताते है तो उसे गंभीरता से लें। इस समस्या को हल करने की कोशिश करें। पुलिस में बेझिझक शिकायत करें। बालिकाओं एवं बच्चों को 'गुड टच-बैड टच' के बारे में बताएं- बालिकाओं एवं बच्चों को बताएं कि किस तरह किसी का उनको छूना गलत है। बालिकाओं के आस-पास काम करने वाले लोगों की पुलिस वेरिफिकेशन होनी चाहिए। जब कोई अपराध करता हुआ पकड़ा जाता है तो उसे फास्ट ट्रैक कोर्ट के जरिए जल्द से जल्द सजा मिलनी चाहिए। अपराधियों को जल्द सजा समाज में सख्त संदेश देती है कि ऐसा अपराध करने वाले बच नहीं सकते। बालिका एवं बच्चों के यौन अपराधियों को सजा देने के लिए खास कानून है- पॉक्सो यानि प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन फ्रॉम सेक्शुअल ऑफेंसेस। इस कानून का मकसद बालिकाओं एवं बच्चों के साथ यौन अपराध करने वालों को जल्द से जल्द सजा दिलाना है, इस कानून का सही परिप्रेक्ष्य में तत्परता से पालन होना चाहिए।

संपादकीय

'विकसित देश' बनना है तो...

हम हररोज और निरंतर सुनते रहे हैं कि 2047 में भारत एक 'विकसित राष्ट्र' होगा। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार और भाजपा-एनडीए का यह संकल्प है और देश की जनता का भी आह्वान किया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने भारत को दुनिया के लिए 'कारखाना' करार दिया है, जबकि यह अर्द्धसत्य लगता है, क्योंकि भारत मैन्यूफैक्चरिंग (विनिर्माण, उत्पादन आदि) में पिछड़ता जा रहा है। लक्ष्य तय किया गया था कि इस क्षेत्र का जीडीपी में योगदान कमोबेश 25 फीसदी होना चाहिए, लेकिन यह हिस्सेदारी 15 फीसदी से भी कम हो गई है। यह ऐसा क्षेत्र है, जिसमें रोजगार के व्यापक अवसर बनते हैं। दरअसल भारत 'मैन्यूफैक्चरिंग हब' के बजाय 'ट्रेडिंग देश' बनता जा रहा है। चीन से आयात बढा इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। इधर विश्व बैंक के साथ-साथ कुछ अन्य एजेंसियों और संस्थाओं की भी रपटें सामने आई हैं। ऐसी रपटें भारत की अर्थव्यवस्था, सामाजिक स्थितियों, श्रम-शक्ति और भागीदारी, हमारी औसत आय आदि के विभिन्न पहलुओं के अध्ययन और सर्वेक्षण पर आधारित होती हैं, लिहाजा उन्हें सिरे से नकारा नहीं जा सकता। यदि भारत सरकार पारदर्शी, स्पष्ट और निष्पक्ष डाटा देश के सामने पेश करती रहती, तो इन रपटों की कोई जरूरत ही नहीं थी और देश के औसत नागरिक के सामने तमाम स्थितियां साफ होतीं। जो भी डाटा सरकारी विभाग जारी करते हैं, वे या तो अर्द्धसत्य होते हैं अथवा यथार्थ को ढक कर चलते हैं। बहरहाल अब आकलन यह किया जा रहा है कि यदि भारत को 2047 में 'विकसित राष्ट्र' बनना है, तो उसकी सालाना आर्थिक विकास दर 7.8 फीसदी लगातार होनी चाहिए, लेकिन अभी 2025-26 के बजट में विकास दर 6.5 फीसदी का अनुमान लगाया गया है। लगभग यही अनुमान अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष का है। वास्तव में यह विकास दर 5 फीसदी के करीब होगी, क्योंकि कई समीकरणों, तथ्यों, उत्पादन, मुद्रास्फीति की दर आदि का सही मूल्यांकन बाद में ही किया जा सकता है। अभी भारत में प्रति व्यक्ति आय करीब 2.20 लाख रुपए सालाना बताई जाती है, जबकि विकसित देश बनने के लिए यह कमोबेश 15.48 लाख रुपए होनी चाहिए। भारत में करीब 100 करोड़ लोगों के पास इतना अतिरिक्त पैसा नहीं है कि वे गैर-जरूरी चीजों पर भी खर्च कर सकें। मात्र 10 फीसदी भारतीयों के पास ही निरंतर खर्च करने की क्षमता है। क्या भारत की अर्थव्यवस्था और जीडीपी 10 फीसदी लोगों के बूते ही है?

चिंतन-मनन

सफलता चाहिए तो पहले ये सीखें

किसी भी काम में लगन का अपना महत्व होता है, सफलता आपकी एकाग्रता पर ही निर्भर करती है। आप संसार को पाने की दौड़ में हो या परमात्मा को, जब तक हम ध्यान लगाकर काम नहीं करेंगे कभी ठीक परिणाम नहीं मिलेगा। इसके लिए जरूरी है कि आप पहले अपने मन को एकाग्र करें, फिर सफलता खुद आपको मिल जाएगी।

एक बार की बात है। राजा एक बार युद्ध पर गया। शाम के समय युद्ध के बाद राजा अपने युद्ध के बाद शिविर से थोड़ी दूर जाकर एक वीरान स्थान पर ध्यान लगाकर बैठ गया ताकि उसे थोड़ी शांति मिल सके। अभी राजा नदी के किनारे पर बस ध्यान की मुद्रा में बैठा ही था। वहां से एक युवती दौड़ती हुई निकली, जिसका ध्यान उस ओर तक ना गया कि राजा बैठा है। ना जाने कहां जाने की जल्दी थी। वह राजा से टकराती हुई निकल गई। राजा का ध्यान भंग हो गया उसे बहुत गुस्सा आया। उसने तुरंत शिविर मैं लौटकर आदेश दिया। उस औरत को ढूंढ कर लाया जाए जिसने ये गुस्ताखी की है। उस युवती को इतना भी नहीं दिखा कि देश का राजा ध्यान में बैठा है और वह उसे कुचलती हुई चली जा रही है।

सिपाही गए और थोड़ी ही देर में उस युवती को पकड़कर ले आए। राजा ने उस युवती से कहा- बदतमीज लड़की इतना भी नहीं जानती कि ध्यान में बैठे हुए व्यक्ति को इस तरह धक्का लगाकर उसका ध्यान भंग करना कितना बड़ा पाप है। उस युवती ने राजा को पहले ऊपर से नीचे तक देखा और कहा - आपको धक्का लगा जरूर होगा लेकिन मुझे याद नहीं। मैं अपने प्रेमी से मिलने जा रही थी। मुझे कुछ नहीं पता कि आप कहां ध्यान लगा रहे थे लेकिन मुझे आश्चर्य होता है कि मैं तो अपने प्रेमी से मिलने जा रही थी। मेरा ध्यान सिर्फ अपने प्रेमी से मिलने पर केंद्रित था। मुझे पता ही नहीं चला कि आप परमात्मा के ध्यान में बैठे हैं। आपको मेरा पता चल गया? राजा को उसकी बात समझ आ गई और उसने उसे छोड़ दिया। क्योंकि यह साबित हो गया थी कि राजा के मन में वह समर्पण का भाव नहीं था जो उस प्रेमिका में था। उसके प्रेम में वह तीव्रता और वलंतता थी जिसने राजा को सोचने पर मजबूर कर दिया।

मदर टेरेसा : एक विश्लेषण भाग 2 डॉ विवेकआर्य

6. मजबूर मां-बाप से हजारों बच्चे छीने

मदर टेरेसा ने भारत में हजारों गरीब मां-बाप की मजबूरी का फायदा उठाया। अपनी किताब में डॉ. चटर्जी ने लिखा है कि मदर टेरेसा बीमार बच्चों की मदद करती थीं, लेकिन तभी जब उनके मां-बाप एक फॉर्म भरने के लिए तैयार हो जाते थे। इसमें लिखा होता था कि वे बच्चों से अपना दावा छोड़कर उन्हें मदर की संस्था को सौंपते हैं। मजबूर मां-बाप बच्चों के इलाज के नाम पर उन्हें मिशन में छोड़कर चले जाते थे। इसके बाद उन्हें अपने बच्चों से मिलने तक की इजाजत नहीं होती थी। इन बच्चों का ब्रेन वॉश करके उन्हें कट्टर ईसाई बना दिया जाता था।

7. भारत में ईसाई धर्म फैलाना था मकसद

1994 में मशहूर लेखक क्रिस्टोफर हिचेंस ने मदर टेरेसा पर एक डॉक्यूमेंटरी हेल्स एंजल (Hell's Angel) बनाई थी। इसमें उन्होंने बताया था कि भारत के गरीब हिंदुओं की मदद करने से ज्यादा मदर टेरेसा की दिलचस्पी रोमन कैथलिक चर्च के कट्टरपंथी सिद्धांतों के प्रचार-प्रसार की है। मशहूर पत्रकार जर्मेन ग्रीअर ने कहा था कि मदर टेरेसा एक धार्मिक साम्राज्यवादी से ज्यादा कुछ नहीं हैं। वो तलवार के दम पर नहीं, बल्कि सेवा के नाम पर ईसाई धर्म फैला रही हैं। मदर टेरेसा का एक इंटरव्यू काफी चर्चित है जिसमें उन्होंने खुद 29 हजार से ज्यादा भारतीयों को ईसाई बनाने का दावा किया था। 1992 में अमेरिका के कैलीफोर्निया में एक भाषण के दौरान मदर टेरेसा का कहना था, ह्यहम बीमार लोगों से पूछते हैं, क्या तुम वह आशीर्वाद चाहते हो जिससे तुम्हारे पाप माफ हो जाएं और तुम्हें भगवान मिल जाएं? किसी ने कभी मना नहीं किया।

8. मदर टेरेसा ने इमर्जेंसी की तारीफ की

इंदिरा गांधी ने 1975 में जब देश में इमर्जेंसी लागू कर दी थी तो मदर टेरेसा ने उनका खुलकर समर्थन किया था। उन्होंने यहां तक कह डाला था कि लोग इससे खुश हैं। क्योंकि इससे नौकरियां बढ़ेंगी और हड़तालें कम होंगी। यही वजह रही कि इंदिरा गांधी ने मदर टेरेसा को खूब बढ़ावा भी दिया। जब मदर टेरेसा नोबेल पुरस्कार पाने के बाद भारत लौटी थीं तो इंदिरा गांधी उन्हें रिसीव करने एयरपोर्ट गई थीं।

9. फर्जी साबित हो चुके हैं दोनों चमत्कार

जिन दो चमत्कारों की वजह से मदर टेरेसा को संत घोषित किया गया, वो फर्जी साबित हो चुके हैं। दावा किया गया था कि पेट के ट्यूमर से जूझ रही पश्चिम बंगाल की एक महिला मोनिका बेसरा ने एक दिन अपने लॉकेट में मदर टेरेसा की तस्वीर देखी और उसका ट्यूमर पूरी तरह से ठीक हो गया। लेकिन जिन डॉक्टरों ने मोनिका का इलाज किया उनका कहना है कि मदर टेरेसा की मृत्यु के कई साल बाद भी मोनिका दर्द सहती रही। इस दौरान वो लगातार दवाएं भी खाती रही। इसी तरह ब्राजील के एक शख्स के चमत्कार के दावे की भी हवा निकल चुकी है।

10. सन्त व सेवा की छवि पैसे से बनाई गई थी – क्या आपने कभी सिन्धु ताई का नाम सुना है जो पिछले 40 साल से महाराष्ट्र मे अनेक अनाथालय चला रही है? क्या आपने कभी रानी रासमणि का नाम सुना है जो तथाकथित दलित जाति से थी और मंदिर बनवाया? क्या आपने शान्ति काली जी महाराज और स्वामी लक्ष्मणानन्द का नाम सुना है जिन्होने आदिवासियों के कल्याण के लिए जीवन की आहुति दी?

स्वस्थ भारत की ओरः मोदी की मुहिम से घटेगा मोटापा!

सोनम लववंशी

एक स्वस्थ देश के निर्माण की राह में नागरिकों का मोटापा किस कदर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को चिंतित कर रहा है, इसकी बानगी हाल ही में आकाशवाणी पर माह के अंतिम रविवार को प्रसारित होने वाले मन की बात कार्यक्रम में देखने को मिली। आंकड़ों पर गौर करें तो विश्व भर के 250 करोड़ लोग मोटापे से जूझ रहे हैं, जबकि भारत में हर आठवां व्यक्ति मोटापे का शिकार है। यह समस्या केवल बड़ों तक सीमित नहीं है, बल्कि अब बच्चों को भी अपने आगोश में ले रही है, और हाल के वर्षों में तो यह समस्या चार गुना तक बढ़ गई है। इसके कारण हृदय रोग, तनाव, मधुमेह जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों को आगाह किया और इससे बचने की सलाह दी। साथ ही, देशवासियों से खाने में तेल की खपत को 10 प्रतिशत घटाने का आग्रह किया। इस मुहिम के लिए दस नामी-गिरामी हस्तियों को अभियान से जोड़ा गया, जो मोटापे को समाप्त करने की श्रृंखला के प्रारंभिक व्यक्ति के तौर पर होंगे। इनमें उमर अब्दुल्ला, आनंद महिंद्रा, मनु भाकर, आर. माधवन, नंदन नीलेकणी, श्रेया घोषाल, निरहुआ, सुधा मूर्ति और मीरा बाई जैसी हस्तियां शामिल हैं।

वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, मोटापा एक महामारी बन चुका है, जो हर साल 28 लाख वयस्कों की जान ले रहा है। भारत में करीब 10 करोड़ से ज्यादा लोग मोटापे से जूझ रहे हैं, जिनमें 12 प्रतिशत पुरुष और 40 प्रतिशत महिलाएं बेली फैट से परेशान हैं। आंकड़ों के अनुसार, स्थिति वाकई डराने वाली है। ह्यद लांसेटह्ण पत्रिका के अनुसार, भारत में 5 से 19 वर्ष के करीब 1.25 करोड़ बच्चे मोटापे के शिकार हैं, जबकि 1990 में यह संख्या मात्र 4 लाख थी। वयस्कों की स्थिति भी कम भयावह नहीं है। 2022 में 4.4 करोड़ महिलाएं और 2.6 करोड़ पुरुष मोटापे से ग्रस्त थे। ऐसे में यह विकास है या विनाश, यह तय करना मुश्किल होता जा रहा है। ग्लोबल ओबेसिटी ऑब्जर्वेटरी के आंकड़े बताते हैं कि मोटापे से आर्थिक बोझ लगातार बढ़ रहा है। 2019 में जहां यह 2.4 लाख करोड़ रुपये था, वहीं 2030 तक यह 6.7 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है। यह दशार्ता है कि अगर समय रहते कदम नहीं उठाए गए, तो यह समस्या और विकराल रूप धारण कर सकती है।

भारत विकासशील देश से विकसित बनने की राह पर तेजी से अग्रसर है, लेकिन इसी रफ्तार में हमारा शरीर भी तेजी से फैलता जा रहा है। एक समय था जब ह्यतोंदह्ण को समृद्धि का प्रतीक माना जाता था, लेकिन अब डॉक्टर इसे बीमारी का घर बताते हैं। मोटापा आज केवल व्यक्तिगत समस्या नहीं रही, बल्कि राष्ट्रीय चिंता का विषय बन चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस बढ़ती समस्या को भांपते हुए इसे रोकने की ठानी और ह्यफिट इंडिया मूवमेंटह्ण जैसे अभियानों के माध्यम से पूरे देश को समझा रहे हैं कि ह्यस्वास्थ्य ही धन हैह्ण देखा जाए तो मोटापे की समस्या आधुनिक जीवनशैली की देन है। पहले भोजन खाने से पूर्व हाथ धोने की आदत थी, अब ह्यऑनलाइन फूड डिलीवरीह्ण ऐप चेक करना प्राथमिकता बन गया है। बच्चे खेल के मैदान में कम, मोबाइल स्क्रीन में ज्यादा व्यस्त रहते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने देहरादून में राष्ट्रीय खेलों के उद्घाटन के दौरान भी मोटापे की समस्या को लेकर चिंता व्यक्त की और ह्यफिटनेसह्ण को रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि अगर हम रोजमर्रा की भागदौड़ में से थोड़ा समय निकालकर व्यायाम करें, तो कई बीमारियों से बच सकते हैं। इस पूरी मुहिम में खानपान की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। भारत का भोजन हमेशा से वैज्ञानिक रूप से संतुलित रहा है, लेकिन पिज्जा, बर्गर और इंस्टेंट नूडल्स की बढ़ती लोकप्रियता ने इसे हाशिए पर धकेल दिया है। जंक फूड की बढ़ती लत इस समस्या को और जटिल बना रही है। मोदी सरकार ने ह्यईट राइट इंडियाह्ण अभियान को बढ़ावा देते हुए लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया है कि ह्यस्वस्थ खाना ही असली खाना हैह्ण प्रधानमंत्री मोदी की इस पहल को कई मशहूर हस्तियों का भी समर्थन मिला है। लेकिन असली सवाल यह है कि क्या हम केवल सोशल मीडिया पर ह्यफिटनेस चैलेंजह्ण स्वीकार करने तक सीमित रहेंगे, या फिर वास्तव में अपने शरीर को स्वस्थ रखने का प्रयास करेंगे?

सरकार चाहे जितने भी अभियान चला ले, जब तक आम जनता खुद स्वास्थ्य को प्राथमिकता नहीं देगी, तब तक मोटापे की समस्या बनी रहेगी। प्रधानमंत्री मोदी की इस मुहिम का उद्देश्य लोगों को जागरूक करना है कि फिटनेस कोई विकल्प नहीं, बल्कि अनिवार्यता है। मोटापे की समस्या केवल शरीर तक सीमित नहीं रहती, यह हमारे मानसिक स्वास्थ्य, आत्मविश्वास और कार्यक्षमता पर भी असर डालती है। इसलिए यह आवश्यक है कि हम अपनी जीवनशैली में बदलाव लाएं, व्यायाम को दिनचर्या का हिस्सा बनाएं और संतुलित आहार अपनाएं। मोदी की इस मुहिम का उद्देश्य भारत को आर्थिक और शारीरिक रूप से मजबूत राष्ट्र बनाना है। लेकिन यह बदलाव तभी संभव होगा जब हम ह्यस्वस्थ भारतह्ण के सपने को सिर्फ सरकार की जिम्मेदारी न मानें, बल्कि इसे अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। वरना, वह दिन दूर नहीं जब अस्पतालों में मोटापे से ग्रस्त लोगों की लंबी कतारें होंगी।

पुलिस ने मुठभेड़ के बाद तीन आरोपितों को दबोचा

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर पश्चिमी जिले की संयुक्त टीम ने मुठभेड़ के बाद तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए बदमाशों की पहचान सिकंदराबाद निवासी साहिल (22), भलस्वा डेयरी निवासी मोहम्मद फैयाज (25) और अलीपुर निवासी दीपक (32) के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके कब्जे से एक देशी कट्टा, एक जिंदा कारतूस और चोरी की एक बाइक बरामद की है। उत्तर पश्चिमी जिले के डीसीपी भीष्म सिंह ने सोमवार को प्रेस वार्ता कर बताया कि 25 फरवरी को अशोक विहार थाना पुलिस को गोली चलने की सूचना मिली थी। मामले की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस को पता चला कि बदमाशों ने एक युवक को गोली मारी है, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस अस्पताल पहुंची। जहां डॉक्टरों ने युवक को मृत घोषित कर दिया। जांच में मृतक की पहचान शालीमार गांव निवासी सरोज पाठक के रूप में हुई। घटना के वक्त वह अपनी स्कूटी से फैक्टरी से शालीमार बाग कैश लेकर जा रहे थे। बदमाश उनकी स्कूटी भी लूटकर ले गए थे। अशोक विहार थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। डीसीपी के अनुसार रविवार देर रात पुलिस टीम को सूचना मिली कि लूट व हत्या के मामले में फरार आरोपित साहिल अशोक विहार में देखा गया है। सूचना को पुख्ता कर पुलिस टीम ने इलाके में जाल बिछाया। शाहिल को देखते ही पुलिस ने आत्मसमर्पण करने के लिए कहा, जिस पर उसने पुलिस टीम पर गोली चला दी। इधर पुलिस टीम ने आत्मरक्षा में गोलियां चलाईं। एक गोली साहिल के पैर में लग गई। वह घायल होकर जमीन पर गिर गया। पुलिस ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया। उपचार के बाद पुलिस ने उसकी निशानदेही पर उसके दो साथियों को दबोच लिया।

सिलिंडर फटने से चार मंजिला इमारत में लगी भीषण आग, चपेट में आई महिला की झुलसने से मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य जिले के नबी करीम थाना क्षेत्र के मोतिया खान इलाके में रविवार दोपहर एक चार मंजिला मकान में आग लग गई। आग बढ़ते-बढ़ते पूरी इमारत में फैल गई और दमकल विभाग को घटना की सूचना दी गई। सूचना पर दमकल की चार गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। दमकलकर्मी आग बुझा ही रहे थे तीसरी मंजिल पर रखा एलपीजी सिलेंडर फट गया, जिसमें चौथी मंजिल पर रह रही एक महिला की झुलसने से मौत हो गई। मृतका की पहचान हेमलता के रूप में हुई है, जिसका कड़ी मशक्कत के बाद शव निकाल मोर्चरी में रखवा दिया गया है। हादसे में घरेलू सिलेंडर फटने से दो दमकलकर्मी भी झुलसने से घायल हो गए। एसटीओ रविंदर सिंह और फायर अधिकारी वेद को तुरंत आरएमएल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है। शुरुआती जांच में आशंका व्यक्त की जा रही है कि शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगी। इसके बाद आग ने पूरी इमारत को अपनी चपेट में ले लिया। पुलिस ने इमारत से छह एलपीजी सिलेंडर फूली हुई हालत में निकाले हैं। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नमाज के दौरान भीड़ में बिछड़े बच्चे को पुलिस ने परिजनों से मिलाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। फतेहपुर मस्जिद में नमाज अदा करने के लिए आया एक बच्चा अचानक भीड़ में बिछड़ गया। थाना लाहौरी गेट और चर्च मिशन रोड पुलिस टीम ने उसके माता-पिता से मिलवाया। उत्तरी जिला डीसीपी राजा बॉंठिया ने बताया कि प्रकाश चंद (इंस्पेक्टर कानून एवं व्यवस्था) और एसआई हरीश यादव (इंचार्ज चौकी चर्च मिशन रोड) की देखेरख में गठित टीम एएसआई बाल हुसैन और डब्लू/कांस्टेबल अनसुइया ने लापता बच्चे के परिवार का पता लगाने के लिए बच्चे की काउंसलिंग की, लेकिन वह कोई प्रतिक्रिया नहीं दे रहा था और यहां तक कि अपने परिवार के सदस्यों के बारे में भी नहीं बता पा रहा था।

हथियार के बल पर लूटपाट करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोनिया विहार थाना पुलिस टीम ने युवक से हथियार के बल पर लूटपाट करने वाले दो आरोपी को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों में विकास मिश्रा उर्फ नमन और अर्जुन कुमार है। पुलिस ने आरोपियों के पास से वारदात में इस्तेमाल बाइक भी बरामद की है। उत्तर-पूर्वी जिला डीसीपी आशीष मिश्रा ने बताया कि इंस्पेक्टर संजय प्रकाश भट्ट की देखरेख में गठित टीम एसआई बिजेंद्र व अन्य ने कुलदीप की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को खंगाला गया। इसके बाद टीम ने लूटपाट करने के आरोप में दो युवकों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ कर मामले की जांच कर रही है। तीसरे आरोपी की भी पहचान हो गई है, जल्द ही उसको गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पता चला कि पीड़ित दिल्ली पुलिस अकादमी से होता हुआ लोनी की ओर जा रहा था। इसी बीच आरोपियों ने जबरन युवक को रोक लिया। इसके बाद उससे पांच हजार रुपए और बाइक की चाबियां लूट ली। आरोपियों ने लूट का विरोध करने पर पीड़ित की पिटाई कर दी थी। इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ कर जांच शुरू कर दी है।

आप सरकार ने स्वास्थ्य के नाम सिर्फ भ्रष्टाचार किया : गुप्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि पिछले 10 साल मं आम आदमी पार्टी की सरकार ने स्वास्थ्य के नाम सिर्फ भ्रष्टाचार करने का काम किया है।

श्रीमती गुप्ता ने स्वास्थ्य संबंधित कैग की रिपोर्ट पर विधानसभा में चर्चा में आज कहा कि दिल्ली में कोरोना के समय लाखों लोगों को जो परेशानियां उठानी पड़ी उसके लिए केजरीवाल सरकार जिम्मेदार थी। आम आदमी पार्टी सर से लेकर पैर तक भ्रष्टाचार में डूबी हुई है सिर्फ ध्यान भटकाने के लिए इधर उधर की बात करते हैं। अभी कैग की दो रिपोर्ट आई है तभी इतने बैखला गये है अभी बारह रिपोर्ट और आने वाली है। सिर्फ यह विषय नहीं है कि अस्पतालों का बजट कोविड के समय कम इस्तेमाल हुई बल्कि उस समय जो घटनाएं घटी वह सोचकर दिल दहल जाता है।

उन्होंने कहा कि मरीजों को नकली दवाईयां और असली भुगतान किया गया। मोहल्ला क्लिनिक की जो हालत थी जहां मरीज भी नकली, जांच भी नकली जहां दवाइयां भी नकली लेकिन एक चीज असली थी वह थी भुगतान। भुगतान के अलावा सब कुछ नकली थी। मोहल्ला क्लिनिक के नाम पर करोड़ों रुपये का भुगतान किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सफाई के नाम पर घोटाला, दवाई के नाम पर घोटाला, जांच के नाम पर घोटाला, इलाज के नाम पर घोटाला, बेड के नाम पर घोटाला, भर्ती के नाम पर घोटाला हुआ। केजरीवाल सरकार घोटालों की सरकार थी।

उन्होंने कहा कि नर्सिंग स्टाफ की जो स्वीकृत पद 7977 में से केवल 5791 हैं। 2186 पद आज भी खाली पडे है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि जहां नर्सिंग स्टाफ की कमी है वहां अस्पतालों की क्या हालत हो रही होगी। ड्यूटी मेडिकल आफिसर के आज भी 234 सीटें खाली है। एक एक विभाग में पद खाली पड़े है। उन्होंने कहा कि दस साल में केजरीवाल दिल्ली को बेहाल कर गये। दिल्ली सरकार एक एक विभाग कर्ज में डूबा है। हमारी नीति और नीयत साफ है। हम दिल्ली को भयंकर हालात से बाहर लेकर जाएगे और दिल्ली के लिए बेहतर काम करेंगें।

'मोदी की विदेश नीति' और 'महिला सशक्तिकरण' पुस्तक का लोकार्पण

नई दिल्ली (एजेंसी)। आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक श्री श्रीरवि शंकर ने राजधानी में आयोजित एक कार्यक्रम में पहली बार ओरिजनल सोमनाथ के दुर्लभ ज्योतिर्लिंगम का अनावरण किया और इस दौरान उन्होंने दो महत्वपूर्ण पुस्तकों, 'मोदी की विदेश नीति' और 'महिला सशक्तीकरण' का विमोचन भी किया।

संस्था द्वारा आयोजित महासत्संग - आनंदम में इस अवसर पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता, भाजपा की वरिष्ठ नेता रीता बहुगुणा जोशी भी मौजूदी थी। श्री श्रीरविशंकर ने यमुना को साफ करने की मुख्यमंत्री की प्रतिबद्धता की सराहना करते हुए स्मरण किया कि आर्ट ऑफ लिविंग के 'मेरी दिल्ली, मेरी यमुना' अभियान के अंतर्गत यह काम 2010 में ही शुरू कर दिया गया था।

इस कार्यक्रम के दौरान, उन्होंने दो महत्वपूर्ण पुस्तकों, 'मोदी की विदेश नीति' और 'महिला सशक्तीकरण' का विमोचन भी किया, जिनके लेखक आईसीपीआरडी के अध्यक्ष कुमार राजीव रंजन सिंह हैं। इन दोनों पुस्तकों का प्रकाशन डायमंड बुक ने किया है।

इस मौके पर श्रीमती गुप्ता ने पर्यावरण के संरक्षण की ओर श्री श्रीरविशंकर के नेतृत्व के बारे में कहा, ÷मुझे अभी भी याद है गुरुदेव कि आपके मार्गदर्शन में आर्ट ऑफ लिविंग के हजारों कार्यकर्ताओं ने यमुना के घाटों को साफ करने का भीमकाय कार्य संभाला था। उन्होंने यमुना के हजारों ट्रक कचरा बाहर निकाला था। अब हम इस मिशन को और आगे ले जाएंगे, रिवरफ्रंट में बदलाव लाएंगे और आपकी उपस्थिति में एक भव्य महाआरती का आयोजन करेंगे। मैं आपको आमंत्रित करने के लिए व्यक्तिगत रूप से स्वयं आऊँगी।'

आईसीपीआरडी के संस्थापक अध्यक्ष ने कहा, ÷मैं नेतृत्व और आत्मनिर्भरता द्वारा महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को नमन करता हूँ। उनकी दूरदर्शिता दिल्ली में श्रीमती रेखा गुप्ता के नेतृत्व और पूरे भारत में महिलाओं को समर्थ बनाने वाले परिवर्तनकारी अभियानों में प्रदर्शित होती है। मेरी पुस्तकें 'महिला सशक्तीकरण' और 'मोदी की विदेश नीति' उनकी प्रभावशाली नीतियों पर प्रकाश डालती हैं। अपनी पुस्तक 'महिला सशक्तीकरण' में मैंने मोदी जी की योजनाओं और महिला सशक्तीकरण पर उनके प्रभाव को दर्शाया है। मेरी दूसरी पुस्तक, 'मोदी की विदेश नीति' में उनके नेतृत्व के दौरान भारत के विकास और विश्व में भारत के बढ़ते सम्मान के बारे में बताया गया है। मैं इन पुस्तकों को प्रकाशित करने के लिए डायमंड बुक्स के श्री नरेंद्र कुमार वर्मा जी को धन्यवाद देता हूँ।'

भाजपा का वादा पूरी तरह से झूठा साबित हो चुका है : आतिशी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा में नेता विपक्ष आतिशी ने सोमवार को भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने इस सत्र को केवल आम आदमी पार्टी (आप) को गाली देने के लिए बुलाया था। आतिशी ने आरोप लगाया कि पूरे सत्र में भाजपा ने केवल आम आदमी पार्टी और उसके नेता अरविंद केजरीवाल को गालियां दी, जबकि सरकार ने किसी भी महत्वपूर्ण काम पर चर्चा नहीं की।

आतिशी ने भाजपा से सवाल पूछा, 'क्या भाजपा सरकार ने यह सत्र 'आप' को गाली देने के लिए बुलाया?÷ उन्होंने आरोप लगाया, ÷सरकार ने पूरे सत्र में सिर्फ 'आप' को गाली दी और काम से जुड़ी कोई बात नहीं की।' आतिशी ने 'महिला सम्मान योजना' की पहली किस्त के बारे में भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा, 'भाजपा ने वादा किया था कि महिलाओं को 2,500 रुपए की स्कीम 8 मार्च तक दी जाएगी, लेकिन अभी तक इस दिशा में कोई कदम नहीं उठाया गया है।'

उन्होंने कहा कि चार दिनों से विधानसभा सत्र चल रहा है, लेकिन भाजपा के सभी विधायक और मंत्री केवल आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल को गालियां दे रहे हैं। कोई ठोस काम नहीं किया जा रहा है और जनता के पैसे का दुरुपयोग किया जा रहा है। भाजपा ने जो वादा किया था, वह अब पूरी तरह से झूठा साबित हो चुका है।

आतिशी ने कहा कि भाजपा ने कहा था कि 8 मार्च तक दिल्ली की हर महिला के बैंक खाते में 2,500 रुपए की पहली किस्त जमा होगी, लेकिन भाजपा का इस योजना को लागू करने का कोई इरादा नहीं दिख रहा है। यदि भाजपा आम आदमी पार्टी को गालियां देने में समय बर्बाद करती रहेगी, तो उन्हें जनता से जुड़ी वास्तविक समस्याओं का समाधान नहीं मिलेगा। उन्होंने आगे कहा कि हम उम्मीद करते हैं कि भाजपा अपने वादों को पूरा करेगी और दिल्ली की महिलाओं को वह राशि 8 मार्च तक देगी।

विधानसभा में फोटो पर फंस गए आप के विधायक जरनैल सिंह, जमकर लगी फटकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधासनभा में सोमवार को सीएजी की रिपोर्ट पर चर्चा के दौरान खूब हंगामा हुआ। पक्ष और विपक्ष के बीच कई मुद्दों पर तीखी बहस देखने को मिली। इस बीच आम आदमी पार्टी (आप) के एक विधायक की तस्वीर को लेकर भी बवाल मच गया। विधानसभा की कार्यवाही के दौरान फोटो खींचने को लेकर तिलक नगर के विधायक जरनैल सिंह घिर गए। विधानसभा स्पीकर विजेंद्र गुप्ता ने जरनैल सिंह को फोटो डिलीट करने का आदेश दिया और भविष्य में ऐसा ना करने की चेतावनी दी। जरनैल सिंह ने इस पर खेद जताया।

दरअसल, विधायक जरनैल सिंह ने विधानसभा की कार्यवाही के दौरान सदन की एक तस्वीर खींचकर एक्स हैंडल पर पोस्ट किया। उन्होंने तस्वीर के साथ लिखा, %दिल्ली विधानसभा में पहली बार ऐसा देखने को मिल रहा है कि बिना मंत्रियों के सदन चर्चा चल रही है, सरकार की तरफ से जवाब कौन देगा?% भाजपा विधायक दीपक चौधरी ने सदन में इस मुद्दो को उठाया, जिसके बाद खूब हंगामा हुआ। पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश वर्मा ने भी इस पर कड़ी कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि विधायकों का इस तरह सदन की तस्वीर खींचकर ट्वीट करना नियमों के खिलाफ है। विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने भाजपा विधायक की आपत्ति को स्वीकार करते हुए कहा कि सदन की कार्रवाई के दौरान फोटो खींचना नियमों के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि विशेषाधिकार हनन का मामला बनता है। गुप्ता ने जरनैल सिंह को सदन से माफी मांगने और फोटो को डिलीट करने को कहा। जरनैल सिंह ने पहले तो यह कहकर बचाव किया कि सदन की कार्यवाही लाइव की जाती है इसलिए तस्वीर खींचना गलत कैसे हुआ। स्पीकर ने जब नियमों को जानकारी दी तो जरनैल सिंह ने तस्वीर खींचने पर खेद जताया।

स्पीकर विजेंद्र गुप्ता ने कहा- निलंबित विधायक सदन परिसर छोड़ दें

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा स्पीकर विजेंद्र गुप्ता ने सोमवार (3 मार्च) को फैसला सुनाया है कि किसी भी विधायक को निलंबित या मार्शल के जरिए सदन से बाहर किए जाने पर उसे विधानसभा परिसर पूरी तरह से खाली करना होगा। स्पीकर ने यह व्यवस्था इस विवाद के बाद दी है कि, क्या निलंबित विधायक विधानसभा परिसर के कुछ क्षेत्रों, जैसे लॉन और नेता प्रतिपक्ष के कार्यालय में रह सकते हैं या नहीं है।

नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने दलील दी थी कि नियमावली के तहत, ये क्षेत्र निलंबन नियमों के दायरे में नहीं आते, जिससे विधायक परिसर के भीतर विरोध प्रदर्शन जारी रख सकते थे। हालांकि, विधानसभा अध्यक्ष ने नियम 277 का हवाला देते हुए स्पष्ट किया है कि निलंबन का अभिप्राय विधानसभा परिसर से पूर्ण निष्कासन है।

स्पीकर ने कहा- छोड़ना होगा सदन परिसर

स्पीकर विजेंद्र गुप्ता ने ऐसे मामलों में विधानसभा अध्यक्ष कार्यालय के क्षेत्राधिकार को और मजबूत करते हुए कहा कि, अब से, किसी भी विधायक को निलंबित या मार्शल के जरिए बाहर किए जाने पर उसे परिसर छोड़ना या खाली करना होगा।

आप के 21 विधायक पर रोक

आम आदमी पार्टी (आप) के 21 विधायकों को 27 और 28 फरवरी को विधानसभा परिसर में प्रवेश करने से रोक दिए जाने के बाद विवाद खड़ा हो गया था। इन विधायकों को मुख्यमंत्री कार्यालय से भीमराव आंबेडकर की तस्वीर कथित तौर पर हटाए जाने के विरोध में हाल ही में निलंबित किया गया था।

एलजी से मिले अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता

वही दूसरी ओर, दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने आज सुबह 10 बजे उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना से मुलाकात की। इस बैठक का उद्देश्य 25 फरवरी 2025 को विधानसभा में दिए उपराज्यपाल के अभिभाषण के लिए औपचारिक रूप से आभार व्यक्त करना था। इससे पहले विधानसभा में एक प्रस्ताव पारित किया था, जिसमें उपराज्यपाल के अभिभाषण की सराहना की गई थी। नियम 19(7) के तहत विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने व्यक्तिगत रूप से उपराज्यपाल को एक औपचारिक पत्र सौंपा और सदन की ओर से उनके अभिभाषण के प्रति सम्मान प्रकट किया।

"सनातन अटल है, लेकिन ममता और राहुल से बड़ा खतरा" : हेमंत विश्वा

फ्यूचर लाइन टाईम्स

नई दिल्ली: अखिल भारत हिन्दू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी चक्रपाणि महाराज ने बताया कि असम के मुख्यमंत्री हेमंत विश्वा शर्मा ने एक बड़ा बयान देते हुए कहा कि "जितना खतरा हिंदुओं को कट्टरपंथी मुसलमानों से नहीं है, उससे ज्यादा खतरा ममता बनर्जी और राहुल गांधी से है।" उन्होंने जोर देकर कहा कि सनातन धर्म अटल और अमर है, यह कभी समाप्त नहीं होगा, लेकिन राजनीतिक स्वार्थ के लिए इसे कमजोर करने की कोशिश की जा रही है।

ओवैसी ने माना, मुस्लिम शासन में 80 मंदिर तोड़े गए

इसी बीच, एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी के बयान ने भी हलचल मचा दी। उन्होंने स्वीकार किया कि मुस्लिम शासनकाल में 80 मंदिरों को तोड़ा गया था। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए अखिल भारत हिंदू महासभा और संत महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी चक्रपाणि महाराज ने कहा, "अब जब एक राम मंदिर बन गया है, तो ओवैसी को 79 और मंदिर हिंदुओं को वापस करने चाहिए। बाकी हजारों मंदिरों की लड़ाई बाद में लड़ी जाएगी।"

सनातन के खिलाफ साजिश बर्दाश्त नहीं झ्र चक्रपाणि महाराज

स्वामी चक्रपाणि महाराज ने आगे कहा कि सनातन धर्म पर हमला करने वाले खुद समाप्त हो जाएंगे, लेकिन सनातन युगों-युगों तक बना रहेगा। उन्होंने कट्टरपंथी राजनीति करने वालों को चेतावनी देते हुए कहा कि "जो लोग वोट बैंक के लिए सनातन को कमजोर करने की साजिश कर रहे हैं, उन्हें इतिहास से सबक लेना चाहिए।"

राजनीति गरम, बयानबाजी तेज

हेमंत विश्वा शर्मा और स्वामी चक्रपाणि महाराज के इन बयानों के बाद राजनीतिक माहौल गरमा गया है। अब देखना यह होगा कि इस पर ममता बनर्जी, राहुल गांधी और असदुद्दीन ओवैसी की क्या प्रतिक्रिया आती है।

24-26 मार्च को आएगा बजट, सरकार ने जनता से सुझाव मांगें

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार ने विकसित दिल्ली का बजट पेश करने के लिए तैयारी शुरू कर दी है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को दिल्लीवालों से अपनी अपेक्षाएं बताने और सुझाव भेजने की अपील की है। उन्होंने कहा कि दिल्ली का बजट मार्च के तीसरे सप्ताह 24-26 मार्च के बीच आएगा। बजट को लेकर दिल्ली विधानसभा परिसर में आयोजित पत्रकारवार्ता में रेखा गुप्ता ने कहा कि जनता ने हमें जो मौका दिया है, हम उनकी सारी अकांक्षाओं की पूर्ति करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह बजट विकसित दिल्ली का बजट है। हम बजट में समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलेंगे। जनता, संगठनों, समाज से आएं सुझावों और उनकी अपेक्षाओं को भी शामिल करने का प्रयास करेंगे। हमारे मंत्री और विधायक भी जनता के बीच जाकर उनके सुझाव लेंगे। उन्होंने कहा कि महिलाओं को आर्थिक सहायता, सार्वजनिक परिवहन, प्रदूषण, रोजगार, शिक्षा, गरीबों को पौष्टिक भोजन, वरिष्ठ नागरिक के अलावा यमुना की सफाई हमारे संकल्प पत्र में पहले से शामिल है। इसके बाद भी दिल्ली की जनता की प्राथमिकताओं का संज्ञान लेना हमारी जिम्मेदारी है। दिल्ली सरकार की ईमेल आईडी और व्हाट्सऐप नंबर पर कोई भी व्यक्ति अपना सुझाव भेज सकता है।

संगठनों के साथ बैठक करेंगे

मुख्यमंत्री ने कहा कि सुझावों को डिजिटल माध्यम से मंगाने के अलावा हम अलग-अलग क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले संगठनों के साथ बैठक करके बजट पर उनके सुझाव लेंगे। पहली बैठक पांच मार्च को इसी विधानसभा परिसर में महिला संगठनों के साथ आयोजित होगी। शिक्षा जगत से जुड़े लोगों को भी बुलाया गया है। छह मार्च को व्यापारी संगठनों के साथ बैठक करेंगे। यही नहीं, आने वाले दिनों में दिल्ली देहात, किसान, युवाओं और प्रोफेशनल लोगों के साथ भी बैठकें करेंगे।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इस दौरान आम आदमी पार्टी की सरकार पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पहली बार बजट में जो कहा जाएगा, उसे जमीन पर किया जाएगा। पिछली सरकार ने सिर्फ बातें की, लेकिन काम नहीं किया। उन्होंने कितने बड़े-बड़े घोटाले किए हैं, वह सीएजी रिपोर्ट में सामने आ रहा है। उनकी कारगुजारियों का असली चेहरा दिल्ली की जनता के सामने आ चुका है। अभी सिर्फ दो सीएजी रिपोर्ट पेश हुई है। 12 और आनी है। इसके बाद उन्होंने ईमानदारी का जो चोला पहन रखा है वह लोगों के सामने होगा।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की प्रेसवार्ता की प्रमुख बातें

-यह बजट विकसित दिल्ली का बजट होगा। सभी वर्गों का सुझाव लिए जाएंगे।

-इसके लिए अधिकारियों को निर्देश दिया गया है।

-लोगों के सुझाव के लिए ईमेल और वाट्सएप नंबर जारी किया गया है।

-पांच मार्च को मुख्यमंत्री और मंत्री महिला संगठनों और शिक्षा जगत के प्रतिनिधियों से संवाद

-छह मार्च को व्यापारियों के संगठन के प्रतिनिधियों से संवाद करेंगे।

-सभी मंत्री और विधायक जनता के बीच जाकर उनसे सुझाव लेंगे।

-संकल्प पत्र में किए गए सभी वादे पूरे किए जाएंगे।

-आम आदमी पार्टी ने दिल्ली के लोगों के साथ धोखा किया।

-अब दिल्ली का नया अध्याय लिखा जाएगा। समय कम है

-काम अधिक है, इसलिए शनिवार और रविवार को भी सचिवालय काम कर रहा है।

इन नंबरों पर दिए जा सकेंगे सुझाव

-इमेल आईडी ,Viksitdelhibudget-2025@delhi.gov.in

-वाट्सएप नंबर-,999962025

अब राफेल को टक्कर देने आ रहे केएफ-21 और एमकेएल लड़ाकू विमान

-दोनों की कीमत और मेंटेनेंस भी काफी कम, क्षमताएं भी एडवांस

नई दिल्ली (एजेंसी)। राफेल फाइटर जेट की एक अलग पहचान है। ये एक मल्टीरोल लड़ाकू विमान है जो एडवांस टेक्नोलॉजी और युद्ध में अपनी क्षमता साबित कर चुका है, लेकिन फ्रांस का लालच जल्द ही इस फाइटर जेट के मार्केट को बर्बाद कर सकता है। फ्रांसीसी राफेल को अमेरिकी स्टील्थ फाइटर जेट एफ-35 या रूसी पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान एसयू-57 से खतरा नहीं है, बल्कि दो ऐसे फाइटर जेट्स बाजार में आने वाले हैं, जो राफेल को चुनौती पेश कर सकते हैं। ये फाइटर जेट हैं दक्षिण कोरिया का केएफ-21 बोरामे और भारत का तेजस एमकेएल इन दोनों फाइटर जेट्स को लेकर दावा किया जा रहा है कि ये राफेल के बराबर शक्तिशाली हैं। इनमें एडवांस एवियोनिक्स और हथियार रखने की जगह है। इसके अलावा इन दोनों की कीमत भी राफेल की तुलना में काफी कम बताई जा रही है।

डिफेंस एक्सपर्ट्स का मानना है कि ये क्षमताएं फ्रांसीसी राफेल के बाजार को खराब कर सकती हैं। फ्रांस के लिए राफेल फाइटर जेट लंबे वक्त से एक प्रीमियम प्रोडक्ट रहा है। इसमें एडवांस रडार सिस्टम, एडवांस इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली और मल्टीरोल क्षमताएं हैं। इस वजह से भारत, कतर और मिस्र के देशों ने राफेल फाइटर जेट खरीदा है, लेकिन राफेल फाइटर जेट की कीमत बहुत ज्यादा है। राफेल के रखरखाव, अपग्रेडेशन और हथियारों के एकीकरण में बहुत ज्यादा खर्च होता है, जिसकी वजह से देशों के लिए राफेल फाइटर जेट का मेंटिनेंस करना मुश्किल है।इंडियन डिफेंस रिसर्च विंग की रिपोर्ट के मुताबिक 2016 में भारत ने 36 राफेल जेट के लिए 8.7 अरब डॉलर का सौदा किया था। इसमें कोई शक नहीं की राफेल को खरीदकर भारतीय वायुसेना की ताकत में जबरदस्त इजाफा हुआ है। डिफेंस एक्सपर्ट्स का कहना है कि अगर भागीदारी के तहत राफेल को बनाया जाता तो इस लागत को कम किया जा सकता था। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि दक्षिण कोरिया में बना केएफ-21 बोरामे लड़ाकू विमान और भारतीय तेजस फाइटर जेट डिफेंस बाजार में तहलका मचा सकते हैं। इसके पीछे की सबसे बड़ी वजह ये है कि राफेल के मुकाबले इसके मेटिनेंस में काफी कम है। केएफ-21 एक 4.5-पीढ़ी का लड़ाकू विमान है, जिसका डिजाइन और डेवलपमेंट कोरिया एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज ने किया है। इस फाइटर जेट को खास तौर पर राफेल और टाइफून जैसे विमानों को टक्कर देने के लिए डिजाइन किया गया है। वहीं केएफ-21 लड़ाकू विमान के एक यूनिट की कीमत करीब 65 मिलियन डॉलर होने की संभावना है। लिहाजा देशों के लिए ये एक आकर्षक पैकेज हो सकता है। जबकि राफेल फाइटर जेट के एक यूनिट की कीमत 120 मिलियन डॉलर है।

वहीं भारत का तेजस एमकेएल, जो स्वदेशी तेजास एमकेएल का एक विकसित वैरिएंट है, अगले कुछ सालों में ये बनकर तैयार हो जाएगा। इसमें एडवांस जीई एफ414 इंजन, एडवांस एवियोनिक्स और भारत के स्वदेशी हथियारों जैसे अस्त्र और ब्रह्मोस के साथ आसानी से एकीकरण की क्षमता है। लिहाजा तेजस एक बेहतरीन लड़ाकू विमान बन गया है। इसके अलावा इसका मेंटिनेंस और भी कम होने की संभावना है। रिपोर्ट के मुताबिक तेजस के एक यूनिट की कीमत सिर्फ 50 से 60 मिलियन डॉलर प्रति यूनिट हो सकती है। इसके अलावा क्षमताओं के लिहाज से ये राफेल फाइटर जेट से ज्यादा एडवांस होगा।

केंद्रीय मंत्री की बेटी और सहेलियों से छेड़छाड़ करने वाले 3 युवक गिरफ्तार

मुंबई (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री और बीजेपी नेता रक्षा खडसे की बेटी के साथ जो कुछ भी हुआ उसने सभी को हैरानी में डाल दिया है। अब हर किसी के मन में सवाल उठ रहा है कि अगर एक केंद्रीय मंत्री की बेटी ही सुरक्षित नहीं है, तो आम लड़कियों की सुरक्षा का क्या होगा। बता दें 24 फरवरी रात को कोथली गांव में संत मुक्ताई यात्रा के दौरान केंद्रीय मंत्री खडसे की बेटी और उनकी कुछ सहेलियों के साथ कुछ मनचले लड़कों ने छेड़छाड़ कर दी थी। इस घटना के संबंध में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। रक्षा खडसे के सुरक्षा गार्ड की शिकायत के बाद पुलिस हरकत में आई। पुलिस के मुताबक अनिकेत भोई, किरण माली और अनुज पाटिल को गिरफ्तार कर लिया गया है।एक नाबालिग को भी हिरासत में लिया है।पुलिस ने सात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।मामले से जुड़े अन्य लोगों की तलाश की जा रही है। केंद्रीय मंत्री खडसे ने इस घटना के बाद कहा था कि अगर एक केंद्रीय मंत्री और सांसद की बेटी के साथ छेड़छाड़ की जा रही है, तो बाकी लोगों का क्या होगा? उन्होंने महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस से भी बात की थी और मामले में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की थी।

स्कूलों में स्मार्टफोन ले जाने पर रोक लगाने से हाईकोर्ट का इनकार

-कहा- इसका अनुशासन या शैक्षिक वातावरण पर कोई नकारात्मक असर नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने स्कूलों में बच्चों को स्मार्टफोन ले जाने पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने साफ कहा कि स्मार्टफोन के इस्तेमाल से कक्षा में शिक्षण, अनुशासन या समग्र शैक्षिक वातावरण पर कोई नकारात्मक असर नहीं पड़ता है। यह फैसला एक छात्र की याचिका पर सुनवाई के दौरान सुनाया, जिसमें स्कूल में मोबाइल फोन के प्रयोग को लेकर दिशा निर्देश जारी करने की मांग की गई थी। न्यायमूर्ति अनूप जयराम भंभानी की अध्यक्षता वाली पीठ ने इस मामले में अपना रुख साफ करते हुए कहा कि तकनीक के इस युग में स्मार्टफोन पूरी तरह से नकारात्मक नहीं माना जा सकता है। कोर्ट ने कहा कि स्मार्टफोन का इस्तेमाल अगर सही दिशा में किया जाए तो यह बच्चों के लिए शैक्षिक संसाधन के रूप में काम कर सकता है। हालांकि कोर्ट ने यह भी कहा कि मनोरंजन के उद्देश्य से इसका इस्तेमाल स्कूल परिसर में करना स्वीकार नहीं है।इस फैसले के बाद स्कूलों को जिम्मेदारी दी गई है कि वे बच्चों के स्मार्टफोन इस्तेमाल पर उचित दिशा-निर्देश बनाएं ताकि इसका दुरुपयोग न हो। कोर्ट ने इस्तेमाल के नियमों का उल्लंघन रोकने के लिए पारदर्शी, निष्पक्ष नियम लागू करने का आदेश कोर्ट ने स्कूलों को दिया है। कोर्ट ने चेतावनी दी कि स्मार्टफोन का इस्तेमाल केवल शैक्षिक उद्देश्यों तक सीमित रहना चाहिए। मनोरंजन, सोशल मीडिया या गेमिंग जैसे कार्यों के लिए इसकी अनुमति नहीं दी जा सकती।

पंजाब के हाईटेक बंटी-बबली! ने कर दिया 3500 करोड़ का बड़ा कांड?

चंडीगढ़(एजेंसी)। पंजाब के इस जोड़े की दास्तां सुनकर आपको भी शायद भरोसा ना हो।इस कपल ने सालों से लोगों को लूट-लूट कर 3500 करोड़ रुपए छाप लिए।पुलिस की आंखों में धूल झोंककर दोनों कई महीनों से पकड़ में नहीं आ रहे थे। हालांकि बीते शुक्रवार पुलिस ने इस जोड़े को धर दोबाचा और फिलहाल वे ईडी की हिरासत में हैं। शनिवार को जालंधर की एक पीएमएलए कोर्ट ने सुखविंदर सिंह खरौर नाम के शख्स को 10 दिन और उसकी पत्नी डिंपल खरौर को पांच दिन की ईडी हिरासत में भेज दिया है। इस जोड़े की ठगी की लिस्ट लंबी है। दोनों ने मिलकर क्लाउड स्पेस खरीदने और उसे वापस लीज पर देने के नाम पर सालों तक लोगों को ठगा और उससे मोटी रकम छापी। कपल ने पिछले 2-3 सालों में 3,500 करोड़ रुपये से ज्यादा की रकम इकट्ठी की और उससे ऐश करते रहें। पिछले महीने ईडी ने इनके ठिकानों से 80 करोड़ रुपये की कम से कम 26 लग्जरी कारें जब्त की थीं।वहीं पंजाब में दोनों की 178 करोड़ रुपये की प्रापर्टी भी पुलिस ने जब्त की थी।जानकारी के मुताबिक आरोपियों ने अपनी काली कमाई को सफेद करने के लिए कई शेल कंपनी बनाईं। डिंपल के बैंक अकाउंट्स और उसकी फर्जी कंपनियों जैसे खरौर फिल्म्स एलएलपी, फूटचैट एंटरटेनमेंट प्राइवेट और अवनी आईटीइंफ्रा वेंचर्स लिमिटेड के जरिए पैसे डायवर्ट किए गए।ईडी ने बताया है कि व्यूनाउ ग्रुप के सीईओ और संस्थापक सुखविंदर इस घोटाले के मास्टरमाइंड हैं।

जॉर्डन-इजरायल बॉर्डर पर सेना ने बरसा दी गोलियां, भारत के शख्स की मौत

तिरुवनंतपुरम(एजेंसी)। जॉर्डन-इजरायल बॉर्डर पर केरल के एक शख्स की उस वक्त गोली मारकर हत्या कर दी गई, जबकि वह कथित तौर पर सीमा पार कर रहा था। आरोप है कि मृतक अवैध रुप से जॉर्डन-इजरायल सीमा पार करने की कोशिश कर रहा था। मरने वाले की पहचान थुंबा निवासी 47 वर्षीय एनी थॉमस गेब्रियल के रूप में हुई है। मृतक गेब्रियल के परिवार ने रविवार को बताया कि उन्हें एक मार्च को भारतीय दूतावास की तरफ से एक ईमेल मिला, जिसमें एनी की मौत के बारे में कन्फर्म किया गया था।एनी की रिश्तेदार मेटिल्डा ने रविवार को बताया, हमें जॉर्डन में भारतीय दूतावास से एनी की मौत के बारे में एक ईमेल मिला, लेकिन उसके बाद कोई और जानकारी नहीं मिली है।यह घटना 10 फरवरी को हुई, जब जॉर्डन के सैनिकों ने सीमा पर गोलीबारी की।परिवार के सूत्रों के अनुसार, गेब्रियल के रिश्तेदार एडिसन को भी गोली मारी गई, लेकिन वह बच गया और वह घायल अवस्था में घर लौट आया है।गेब्रियल के एक रिश्तेदार ने एक टीवी चैनल को बताया कि पांच फरवरी को जब वह घर से निकला था, तो तमिलनाडु में ईसाई धार्मिक स्थल वेलंकन्नी जाने की बात कही थी।इंडियन एंबेसी ने 'एक्स' पर लिखा, पार्थिव शरीर को ले जाने के लिए जॉर्डन के अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहा है।

मायावती के एक्शन पर आकाश ने दी प्रतिक्रिया : मेरा राजनीतिक करियर समाप्त नहीं

लखनऊ(एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद को नेशनल कोऑर्डिनेटर पद से हटा दिया है।इसके साथ ही उन्होंने यह भी ऐलान किया कि उनके जीते जी पार्टी का कोई उत्तराधिकारी नहीं होगा। मायावती ने अपने भाई आनंद कुमार और रामजी गौतम को पार्टी का नेशनल कोऑर्डिनेटर नियुक्त किया है और उनके कार्यों का बंटवारा कर दिया है। मायावती के इस फैसले के बाद पहली बार आकाश आनंद की प्रतिक्रिया सामने आई है।उन्होंने अपने एक्स (पूर्व में ट्विटर) अकाउंट पर एक विस्तृत पत्र लिखा, जिसमें उन्होंने इस फैसले का सम्मान करने की बात कही। उन्होंने कहा, कुछ विरोधी दल के लोग ये सोच रहे हैं कि पार्टी के इस फैसले से मेरा राजनीतिक करियर समाप्त हो गया, उन्हें समझना चाहिए कि बहुजन मूवमेंट कोई करियर नहीं, बल्कि करोड़ों दलित, शोषित, वंचित और गरीबों के आत्म-सम्मान व स्वाभिमान की लड़ाई है।अपनी पोस्ट में आकाश आनंद ने आगे लिखा, मैं परमपूज्य आदरणीय बहन कुमारी मायावती जी का कैडर हूं, और उनके नेतृत्व में मैंने त्याग, निष्ठा और समर्पण के कभी ना भूलने वाले सबक सीखे हैं। यह सब मेरे लिए केवल एक विचार नहीं, बल्कि जीवन का उद्देश्य हैं। आदरणीय बहन जी का हर फैसला मेरे लिए पत्थर की लकीर के समान है, मैं उनके हर फैसले का सम्मान करता हूं और उनके साथ खड़ा हूं।मायावती के इस निर्णय को बसपा में बड़े नेतृत्व परिवर्तन के रूप में देखा जा रहा है। लंबे समय से ऐसा माना जा रहा था कि आकाश आनंद पार्टी में उनकी राजनीतिक विरासत संभालेंगे, लेकिन अब मायावती के स्पष्ट संदेश से इन अटकलों पर विराम लग गया है।

पीएम मोदी, नड्डा के बाद अब संघ प्रमुख भागवत पहुंच रहे बिहार दौरे पर

सुपौल (एजेंसी)। बिहार में इस साल विधानसभा चुनाव होने है। यह देखकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा सहित तमाम सियासी दिग्गज बिहार में दौरा कर रहे है। वहीं अब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत 6 मार्च को बिहार के सुपौल जिले आ रहे है। विधानसभा चुनाव से पहले उनके इस दौरे को खासा महत्व है। इस दौरान भागवत वीरपुर नगर पंचायत के वार्ड संख्या 01 स्थित केशव नगर में बने सरस्वती विद्या मंदिर के नए भवन का उद्घाटन करने वाले है।

बता दें, यह पहली बार होगा जब संघ प्रमुख इंडो-नेपाल बॉर्डर पर किसी कार्यक्रम को संबोधित करने वाले है। उनके इस दौरे को लेकर व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। सर संघ संचालक भागवत गुरुवार को दिन के 11.30 बजे बीरपुर पहुंचकर 1 बजे से कार्यक्रम में हिस्सा लेने पहुंचने वाले है। फिर अपने संबोधन के बाद 2.30 बजे स्वयं सेवकों के साथ बैठक करने वाले है। नेपाल से सटे वीरपुर जैसे इलाके में इस तरह के आयोजन का खास महत्व है। यह क्षेत्र राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक समृद्धि और सीमावर्ती इलाकों में शिक्षा के प्रचार-प्रसार का प्रतीक बन रहा है। सीमावर्ती इलाकों में विद्या भारती के स्कूल जैसे संस्थान न केवल शिक्षा का स्तर बढ़ा रहे हैं, बल्कि राष्ट्रवादी विचारधारा को भी मजबूती प्रदान कर रहे हैं।

विद्या भारती बिहार के क्षेत्र संगठन मंत्री ख्याली राम ने कहा, भागवत जी का वीरपुर में आना हमारे लिए बड़े सौभाग्य की बात है। यह लंबे समय से योजना में था कि विद्यालय का उद्घाटन उनके हाथों कराया जाए। कोरोना महामारी के कारण यह संभव नहीं हो सका। अब यह मौका आ रहा है, और हम सभी कार्यकर्ता जोरदार तैयारी कर रहे हैं। उनके आगमन से यह संदेश जाएगा कि हिंदुत्व के सबसे बड़े चिंतक और मार्गदर्शक हमारे बीच आ रहे हैं। अपने दौरे के दौरान भागवत विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों, स्वयंसेवकों और आम नागरिकों से मुलाकात करने वाले है। वे समाज और राष्ट्र निर्माण से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करने वाले है। इस मौके पर हिंदुत्व, शिक्षा और सामाजिक एकता को लेकर संवाद होगा। कार्यक्रम स्थल पर भारी संख्या में लोगों के जुटने की संभावना है।

पप्पू यादव ने बीजेपी पर साधा निशाना और कहा- नीतीश कुमार के बिना कोई हैसियत नहीं

पटना (एजेंसी)। पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने भाजपा और एनडीए पर तीखा हमला बोला और कांग्रेस को बेहतर पार्टी बताया है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार के बिना बीजेपी की कोई औकात नहीं है। पप्पू यादव ने दावा किया कि एनडीए में मुख्यमंत्री पद के लिए नीतीश कुमार से बेहतर कोई चेहरा नहीं है।

पप्पू यादव ने कहा, बीजेपी को कभी भी नीतीश कुमार का चेहरा पसंद नहीं था, लेकिन इस जन्म में उनसे बेहतर सीएम पद के लिए कोई नेता बीजेपी के पास नहीं होगा। उन्होंने बीजेपी पर तंज कसते हुए कहा कि किसी को जबरदस्ती पाउडर लगाकर मुख्यमंत्री बना सकते हैं, लेकिन असली नेतृत्व की कमी है। कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी कृष्णा अल्लावरु के बयान- इस बार बिहार में ए टीम बनकर काम करेंगे- पर पप्पू यादव ने समर्थन जताया। उन्होंने कहा कि बिहार में कांग्रेस ही बीजेपी को टक्कर दे सकती है और बिना कांग्रेस के एनडीए को हराना नामुमकिन है।

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव द्वारा महिलाओं को 2500 रुपये भत्ता देने और वृद्धा पेंशन बढ़ाने की मांग पर भी पप्पू यादव ने तंज कसा। उन्होंने कहा, जब सरकार में थे, तब क्यों नहीं बढ़ाया? चुनावी मौसम में वैज्ञानिक बनने का क्या मतलब है? पप्पू यादव ने केंद्रीय बजट पर भी निशाना साधा और कहा कि इसका कोई फायदा नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि बिहार में प्रति व्यक्ति 8000 रुपये कर्ज बढ़ गया है, जबकि 91 लाख करोड़ शेयर मार्केट में बर्बाद हो चुका है। उन्होंने यह भी कहा कि चुनावी मार्केटिंग के लिए जनता के पैसे का इस्तेमाल नहीं होना चाहिए और फ्री बिजली देने की योजना पर पूरी तरह से रोक लगनी चाहिए।

पप्पू यादव के इस बयान के बाद बिहार की सियासत गरमा गई है। अब देखना यह होगा कि बीजेपी और अन्य विपक्षी दल इस पर क्या प्रतिक्रिया देते हैं।

डब्ल्यूएचओ का दावा, दुनिया में 2 बिलियन से ज्यादा लोगों की आंखों की रोशनी कमजोर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया में बड़ी चीज हैं आंखें, आंखों की देखभाल करना बहुत जरूरी है। उम्र बढ़ने के साथ यह बढ़ा देनी चाहिए क्योंकि इनका स्वास्थ्य कमजोर होने लगता है और नजर कम होने लगती है। आंखों की केयर नजरअंदाज करने पर वक्त से पहले चश्मा चढ़ सकता है, जिसे हटाना मुश्किल हो सकता है। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन ने बताया कि दुनिया के 2 बिलियन से ज्यादा लोगों को आंखों की रोशनी कमजोर है। इनमें से किसी को पास का देखने में तो किसी को दूर का देखने में दिक्कत होती है, लेकिन इनमें से 1 बिलियन लोग कुछ टिप्स की मदद से समस्या को कम कर सकते हैं। ?आंखों की किसी समस्या से बचना है तो रेगुलर आई टेस्ट करवाते रहें। इससे आई डिजीज और कमजोर रोशनी को पहचानकर उसे वहीं रोका जा सकता है।

घर से बाहर जाते हुए सनग्लास और ब्रिम्ड हैट पहनें। इससे धूप में मौजूद यूवी रेज आंखों को नुकसान नहीं पहुंचाती है। साथ ही धूल-मिट्टी से इंफेक्शन का डर कम हो जाता है। वैसे तो डिजिटल डिवाइस का इस्तेमाल कम से कम करना चाहिए, अगर आपका काम इनके बिना नहीं चलता है तो बीच-बीच में ब्रेक लेना ना भूलें। इससे आंखों पर तनाव ज्यादा नहीं पड़ेगा। टूल और केमिकल इस्तेमाल करते हुए आई प्रोटेक्शन पहनें। क्योंकि इनके पार्टिकल्स आंखों में जा सकते हैं, जिससे जलन, इंफेक्शन, धुंधला दिखना या आई डिजीज हो सकती है।

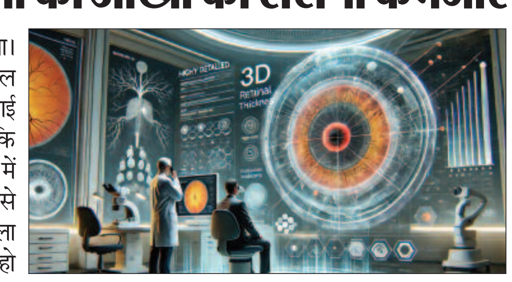

अगर आप धूम्रपान करते हैं तो इससे ब्लड फ्लो बाधित हो सकता है, जिससे आंखों को पोषण मिलने में दिक्कत हो सकती है। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन (डब्ल्यूएचओ) का कहना है कि अगर आंखों को हेल्दी रखना हैं तो स्मोकिंग ना करें। यह नुस्खे की जानकारी व दावे पर आधारित हैं। इसकी सटीकता और असर की जिम्मेदारी हम नहीं लेते है।

बीजेपी के साथ गठबंधन करेगी नेशनल कॉन्फ्रेंस? सामने आया उमर अब्दुल्ला का बड़ा बयान

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू एवं कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सोमवार को स्पष्ट कर दिया कि आने वाले दिनों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ कोई गठबंधन नहीं होगा। उन्होंने कहा कि भगवा पार्टी के साथ इस तरह के गठबंधन की न तो कोई गुंजाइश है और न ही इसकी कोई जरूरत है, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उनके विचार काफी अलग हैं। जम्मू-कश्मीर बजट सत्र से पहले मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि हम (भाजपा के साथ) किसी गठबंधन की बात नहीं कर रहे हैं, न तो इसकी कोई गुंजाइश है और न ही इसकी जरूरत है। हमारे विचार भी मेल नहीं खाते।

उमर अब्दुल्ला ने कहा कि अगर हम जम्मू-कश्मीर के बारे में बात करते हैं, तो हमारे विचार बहुत अलग हैं। हम (सत्र के दौरान) हर चीज पर चर्चा करेंगे। इससे पहले उमर अब्दुल्ला ने कहा कि उनकी सरकार लोगों से किये गये सभी वादों को पूरा करेगी। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर कथित तौर पर छाया मंत्रिमंडल (शैडो कैबिनेट) गठित करने की आलोचना करते हुए कहा कि भारत में ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है। उन्होंने कहा, ''हमारे देश में सिर्फ एक ही मंत्रिमंडल है। कोई 'छाया मंत्रिमंडल' नहीं है। अब तक यहां भाजपा ने राज किया है। अब जनता की सरकार अपना काम करेगी।''

अब्दुल्ला ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''छाया (मंत्रिमंडल) की कोई जरूरत नहीं है। हमने लोगों से उनकी उम्मीदों को पूरा करने का वादा किया है और हम अपने वादों पर कायम हैं।'' मुख्यमंत्री ने गुलाम सिब्तैन मसूदी के निवास पर जाकर अपनी संवेदना व्यक्त की, जिनका इस सप्ताह की शुरुआत में निधन हो गया था। मसूदी नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायक हसनैन मसूदी के भाई और हुर्रियत कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष मीरवाइज उमर फारूक के ससुर थे।

रमजान, ईद और होली, यूपी में सुरक्षा-व्यवस्था को मजबूत किया गया

लखनऊ (एजेंसी)। रमजान, ईद और होली को देखकर उत्तर प्रदेश में सुरक्षा-व्यवस्था को मजबूत किया गया है। सुरक्षा कड़ी रहे इसके लिए उत्तर प्रदेश के डीजीपी प्रशांत कुमार ने पुलिसकर्मियों को महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए है। इसी कड़ी में 24 घंटे रेलवे ट्रैक से लेकर सोशल मीडिया पर हिमाकत करने वालों पर कड़ी नजर रखी जाएगी।

यूपी डीजीपी कुमार का कहना है कि ट्रेनों की आवाजाही के दौरान किसी तरह की अराजकता ना हो और ट्रैक पर कोई पथराव ना करे इसके लिए पर्याप्त बंदोबस्त किए जा रहे है। थानेदारों को रेलवे ट्रैक पर नजर रखने के निर्देश दिए गए है।

जानकारी के मुताबिक राज्य में होली के त्यौहार को देखते हुए ही अन्य कार्यक्रमों की अनुमति मिलेगी। त्यौहारों को देखते हुए किसी तरह की नई परंपरा या नया जुलूस निकाले जाने की अनुमति नहीं होगी। होलिका दहन हो या जुमे की नमाज सुरक्षा के इंतजाम भी पुख्ता किए जा रहे है।

डीजीपी कुमार ने टीम के सदस्यों को जरुरी दिशा निर्देश जारी किए है। डीजीपी के मुताबिक ट्रेनों पर पथराव ना हो इसके लिए भी पुख्ता इंतजाम किए गए है। इलाके के एसीपी को होलिका दहन और जुमे की नमाज को लेकर नागरिकों के साथ बैठक करने को कहा है। किसी तरह की समस्या आने पर तत्काल जानकारी दी जानी चाहिए। इतना ही नहीं डीजीपी ने सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिया है कि अपने क्षेत्र के रेलवे ट्रैक का नक्शा भी रखें। पुलिस को ट्रैक के आसपास रहने वाले लोगों का ब्यौरा अपने पास रखना चाहिए। रेलवे पटरियों के पास रहने वाले लोगों का ब्यौरा तैयार करने को कहा गया है। इतना ही नहीं, सभी थाना प्रभारियों को अवैध शराब की बिक्री रोकने के लिए अभियान चलाने के निर्देश दिए गए हैं। सीसीटीवी कैमरों की कार्यप्रणाली की जांच के निर्देश दिए गए हैं। ड्रोन के जरिए निगरानी बढ़ाई जाएगी।

राममंदिर में दर्शन के बाद जूते-चप्पल लेने लगाना पड़ रहा 5-6 किमी का फेरा

-लोग छोड़कर ही जा रहे जूते-चप्पल, इसे हटाना नगर निगम के लिए बना चुनौती

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या में रामलला के दर्शन करने के लिए पिछले डेढ़ महीने से भीड़ बढ़ने से नगर निगम अधिकारियों को समस्या का सामना करना पड़ रहा है। भीड़ को मैनेज करने कुछ नियमों में बदलाव किए हैं जिससे बहुत से श्रद्धालु अपने जमा जूते चप्पलों को लेने नहीं आ रहे हैं। अब इन्हें हटाना प्रशासन के लिए चुनौती बन गया है। नगर निगम के अधिकारियों के मुताबिक मंदिर के प्रवेश द्वार पर प्रतिदिन जूते-चप्पल जमा किया जाते हैं, जिन्हें जेसीबी मशीनों से इकट्ठा कर ट्रॉलियों में भरकर दूर किसी स्थान पर डंप किया जा रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मंदिर के मुख्य प्रवेश द्वार गेट नंबर 1 जो राम पथ पर स्थित है, वहां भक्तों से उनके जूते-चप्पल उतरवाकर जमा कराए जाते हैं। मंदिर परिसर में करीब आधा किलोमीटर का चक्कर लगाने के बाद श्रद्धालु उस गेट पर वापस आकर अपने जूते-चप्पल लेते हैं। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए अयोध्या प्रशासन ने भक्तों को गेट नंबर 3 और अन्य गेटों से बाहर निकलने के निर्देश दिए हैं। इससे अपने जूते-चप्पल लेने के लिए उन्हें 5-6 किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ रही है। इस कारण कई श्रद्धालु अपने जूते-चप्पल वहीं छोड़कर नंगे पांव ही चले जाते हैं।

राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य ने बताया कि महाकुंभ के कारण भक्तों की संख्या बढ़ गई। पिछले 30 दिनों में व्यवस्थाओं में बदलाव किए गए हैं, ताकि भक्तों की भीड़ को बिना किसी अव्यवस्था के आसानी से दर्शन करने की सुविधा मिल सके। उन्होंने बताया कि मंदिर परिसर का गेट नंबर 3 खोल दिया गया है। मंदिर के दर्शन के बाद, भक्तों को इस गेट से बाहर जाने का मार्ग दिया जा रहा है। दर्शन के बाद, श्रद्धालु श्रीराम अस्पताल होते हुए आगे बढ़ते हैं। चूंकि राम पथ पर एकतरफा मार्ग है, इसलिए भक्तों को अपने जूते-चप्पल लेने के लिए 5 से 6 किलोमीटर पैदल चलना पड़ता है। इसलिए वह इस परेशानी से बचने के लिए अपने जूते-चप्पल वहीं छोड़कर चले जाते हैं।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
फ्यूचर लाइन टाईम्स

क्या आप भी ब्रोकली को हफ्तेभर तक रखना चाहते हैं फ्रेश?

जानें इसे लंबे समय तक स्टोर करने का सबसे आसान तरीका

जब भी हम ब्रोकली खरीदकर घर लाते हैं तो कई बार हम उसे सही तरीके से स्टोर नहीं कर पाते और वह जल्दी खराब हो जाती है। ऐसे में अगर आप इसे एक हफ्ते तक ताजा रखना चाहते हैं तो इसके लिए आप इसे घर पर ही सही तरीके से स्टोर कर सकते हैं। इसे खाने से एक नहीं बल्कि अनेक लाभ हो सकते हैं। यह आपके वजन को नियंत्रित रखता है, मधुमेह के खतरे को कम करता है, ब्रोकली हृदय को स्वस्थ रखने में मदद करती है, त्वचा को स्वस्थ और चमकदार बनाती है और रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाती है। आइये जानते हैं इसे स्टोर करने का सही तरीका क्या है?

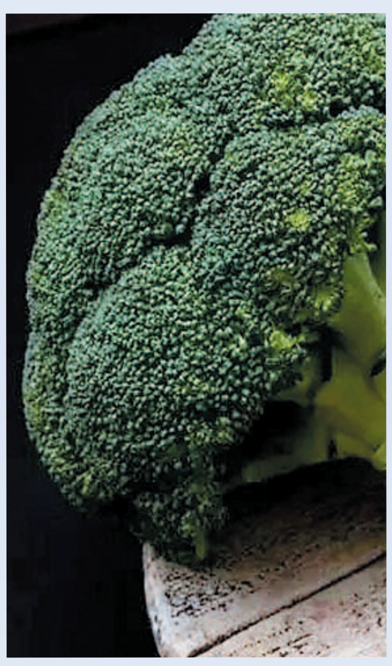

मध्यम आकार में काटें और एक तरफ रख दें।

अगर आप ब्रोकली को एक सप्ताह तक ताजा रखना चाहते हैं तो सबसे पहले उसे मध्यम आकार में काट लें और पानी से साफ कर लें। अब इसे निकाल कर एक प्लेट में रख लें और 10 से 15 मिनट तक पानी सूखने के लिए छोड़ दें। अब आप ब्रोकली को दूसरे बर्तन में निकाल कर फ्रिज में रख सकते हैं।

कांच के जार में स्टोर करें.

यदि आपके घर में रेफ्रिजरेटर नहीं है, तो आप ब्रोकोली को कांच के जार में रख सकते हैं। इसके लिए आप इसका एक फूल लें। इसके बाद इसके पिछले हिस्से को अच्छे से काटकर साफ कर लें। अब एक कांच के जार में आधे से भी कम पानी भरें और उसमें ब्रोकली डालें। इससे आपकी ब्रोकली एक सप्ताह तक ताजा बनी रहेगी।

फलों से दूर रखें

यदि आप ब्रोकली को फ्रिज में रख रहे हैं, तो इसे किसी खट्टे फल या अन्य फलों के साथ न रखें, क्योंकि कई फल एथिलीन गैस छोड़ते हैं, जैसे केला, सेब और नाशपाती, जो ब्रोकली को खराब कर सकते हैं। ऐसे में फलों को फ्रिज में रखने की बजाय बाहर निकालकर रख दें।

क्या हमेशा घर दिखता है बिखरा और गंदा? तो ऑर्गेनाइज करने के लिए अपनाएं ये टिप्स

कहा जाता है कि घर एक पारिवारिक जीवन का दर्पण होता है, जिसे देखकर यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि परिवार के सदस्य अपने जीवन में कितने व्यवस्थित हैं। इतना ही नहीं, अगर आप अपने घर को सही तरीके से व्यवस्थित नहीं रख पाते हैं तो इससे आपके दैनिक जीवन में भी काफी मुश्किलें पैदा होने लगती हैं। उदाहरण के लिए, आपको हर समय इस्तेमाल के लिए चीजें ढूंढनी होंगी, घर में मेहमान आने वाले हैं तो लिविंग रूम को जल्दी से साफ करने का तनाव रहेगा, घर में नकारात्मक ऊर्जा आएगी और कई बार तो आपका जल्दी घर आने का भी मन नहीं करेगा। यहां हम आपको बता रहे हैं कि किन 7 टिप्स को अपनाकर आप अपने जीवन को आसान और व्यवस्थित बना सकते हैं।

बिस्तर की चादर और तकिया कवर

जब भी आप अपने बिस्तर और तकिये के कवर को साफ करें या बदलें तो उन्हें एक साथ रखें। इसके लिए, इन सभी को मोड़कर एक तकिये के कवर के अंदर रख दें। ऐसा करने से आपको हर बार उन्हें खोजने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

लेबल

रसोईघर में रखे सभी जार पर चॉकबोर्ड या पेंट की मदद से लेबल लगाएं और उन्हें सामने की ओर सजाकर रखें। भंडारण के लिए उन्हें अलग-अलग बक्सों में रखने के बजाय एक ही बक्से का उपयोग करना बेहतर होगा। ऐसा करने से वे अच्छे दिखेंगे और व्यवस्थित भी रहेंगे।

इसे रख दें।

रसोईघर के दराजों या रैकों में सॉसपैन आदि को एक के ऊपर एक रखने से अधिक जगह घेरती है और यह देखने में भी अव्यवस्थित लगते हैं। बेहतर होगा कि आप इन्हें हैंगर पर लटका दें। इनका उपयोग भी आसान होगा।

दराज विभाजक का उपयोग करें

यदि आप अपने दराज में मेकअप, वॉलेट, चाबियाँ या अन्य चीजें एक साथ रखते हैं, तो दराज डिवाइडर का उपयोग करना बेहतर होगा। आपको रसोई के दराजों में भी डिवाइडर का उपयोग करना चाहिए और चाकू, चम्मच, कांटे आदि को अलग-अलग रखना चाहिए। इससे वस्तुएं व्यवस्थित रहेंगी और उनका उपयोग करना भी आसान हो जाएगा।

मग और कप हैंगर

कप आदि को रसोई में रखने की बजाय आप उन्हें हैंगर या हुक पर लटका सकते हैं। ऐसा करने से वे एक-दूसरे से टकराकर टूटेंगे नहीं और उन्हें आसानी से उपयोग के लिए निकाला जा सकेगा।

रैक

आप अपने दरवाजे के पीछे एक लटकता हुआ जूता रैक लटका सकते हैं। आप इसमें अपने जूते, चप्पल और सैंडल व्यवस्थित तरीके से रख सकते हैं और आसानी से उपयोग के लिए निकाल सकते हैं। आपको हर बार पूरा रैक खाली करने और पहनने के लिए कुछ खोजने की जरूरत नहीं होगी।

बॉक्स का उपयोग

आप अलमारी में छोटे-बड़े कपड़े रखने, क्लीनर आदि रखने, डाइनिंग टेबल को व्यवस्थित करने आदि के लिए बक्सों का उपयोग कर सकते हैं। आप ऐसे स्टूल या टेबल का उपयोग कर सकते हैं जिसमें बॉक्स सिस्टम हो। ऐसा करने से आपके पास अधिक भंडारण स्थान होगा और सामान इधर-उधर फैलने के बजाय बॉक्स में ही रहेगा।

क्या आप भी जा रहे हैं लंबे दिनों के लिए घर से बाहर, तो ऐसे रखें अपने घर को सुरक्षित

कभी-कभी हमें किसी न किसी काम से घर से बाहर जाना ही पड़ता है, लेकिन यहां हम ऑफिस, स्कूल-कॉलेज आदि के लिए ऐसा नहीं कर रहे हैं। बल्कि हम ऐसी चीजों के बारे में बात कर रहे हैं – जैसे कि आपको लंबे समय के लिए या कुछ दिनों के लिए घर से बाहर जाना पड़ता है। इसका कारण यात्रा हो सकती है, किसी की शादी में शामिल होना हो सकता है, कहीं बाहर जाकर कोई त्यौहार मनाना हो सकता है आदि। लेकिन ऐसे में एक सवाल हर किसी के मन में रहता है कि अगर हम घर से निकल रहे हैं तो क्या हमारा घर सुरक्षित है? क्योंकि हमने घर में जो चीजें रखी हैं, वे बहुत मेहनत से कमाई हैं। ऐसे में यह जानना जरूरी हो जाता है कि अगर कोई लंबे समय के लिए घर से बाहर जा रहा है तो उसे किन बातों का ध्यान रखना चाहिए ताकि उसका घर सुरक्षित रह सके। तो आइये जानते हैं इसके बारे में। इसके बारे में आप अगले अंक में जान सकते हैं...

गैस बंद कर दें.

लोग सबसे ज्यादा लापरवाही गैस को लेकर करते हैं, जबकि सभी जानते हैं कि हमारी एक छोटी सी गलती बहुत बड़ा नुकसान पहुंचा सकती है। इसलिए जब भी घर से बाहर जा रहे हों तो गैस चूल्हे के अलावा गैस सिलेंडर को भी रेगुलेटर से बंद कर दें। अगर आप भूल जाते हैं तो इस काम को अपनी लिस्ट में शामिल कर लें या फिर गैस के पास एक स्टीकर भी लगा सकते हैं जिस पर लिखा हो कि गैस बंद कर दें। ऐसा करके आप अपने घर को सुरक्षित करने की दिशा में एक कदम और आगे बढ़ सकते हैं।

लाइटें बंद कर दें.

यदि आप घर से बाहर जा रहे हैं तो लाइटें बंद करना न भूलें। पंखा, कूलर, फ्रिज और एसी जैसी चीजों को मुख्य स्विच से बंद करें। इससे न केवल आपका बिजली बिल बचेगा बल्कि किसी प्रकार का नुकसान भी नहीं होगा क्योंकि कई बार बिजली की कम या ज्यादा शक्ति के कारण चीजें खराब हो सकती हैं।

पैट का ख्याल रखना.

कई लोग शौक के तौर पर पालतू जानवर (कुत्ते, बिल्ली आदि) पालते हैं, लेकिन जब बात उनकी देखभाल की आती है, तो... तो इसमें उनकी लापरवाही साफ तौर पर दिखाई देती है। अगर आप लंबे समय के लिए घर से बाहर जा रहे हैं तो या तो आप पैट को साथ ले जाएं। आप अपने पालतू जानवर को कुछ शर्तों के साथ ट्रेन, हवाई जहाज और रोडवेज बसों में ले जा सकते हैं। यदि आप किसी अन्य कारण से अपने पालतू जानवर को अपने साथ नहीं ले जाना चाहते हैं, तो आप अपने पालतू जानवर को टेक केयर सेंटर यानी ऐसे स्थानों पर रख सकते हैं जहां पालतू जानवरों की देखभाल की जाती है। यहां आप कुछ शुल्क देकर अपने कुत्ते को जितने दिन चाहें छोड़ सकते हैं।

सुरक्षा पर ध्यान दें.

अगर आप घर से बाहर जा रहे हैं तो आपको अपने घर की सुरक्षा का भी ध्यान रखना होगा। अपना घर ठीक से बंद करो और जाओ। आप चाहें तो अपने घर में किसी जिम्मेदार पड़ोसी या विश्वसनीय रिश्तेदार को भी रख सकते हैं। इसके अलावा आप अपने घर में सीसीटीवी लगाकर भी उस पर नजर रख सकते हैं।

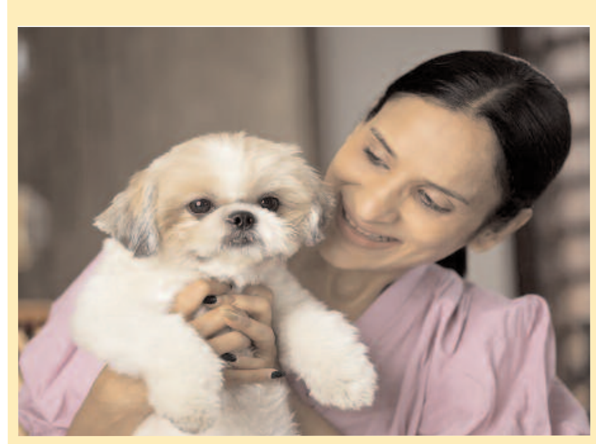

अगर आपके भी गुलाब के पौधे बार-बार मुरझा रहे हैं, तो ऐसे करें इनकी केयर

घर के बाहर आंगन में लगाए गए गुलाब के पौधे घर की सुंदरता बढ़ाने में मदद करते हैं। ऐसे में ज्यादातर लोग अपने घर के बाहर गुलाब के पौधे लगाना पसंद करते हैं, लेकिन कई बार ये पौधे मुरझाने लगते हैं और इस वजह से पूरे घर का लुक खराब होने लगता है। ऐसी स्थिति में अधिकतर लोग परेशान हो जाते हैं। अगर आपके घर के बाहर लगा गुलाब का पौधा मुरझाने लगा है तो यह खबर आपके लिए है। आज हम आपको कुछ आसान टिप्स बताएंगे, जिनकी मदद से आप पौधे को मुरझाने से बचा सकते हैं।

गुलाब के पौधों को मुरझाने से बचाएं

गुलाब के पौधे को मुरझाने से बचाने के लिए आप इन सुझावों का पालन कर सकते हैं। सबसे पहले आपको गुलाब के पौधे को रोजाना पानी देना चाहिए। यदि गर्मी का मौसम है तो आपको गुलाब के पौधे को दिन में 2 से 3 बार पानी देना चाहिए। आपको गुलाब के पौधे को कम से कम 6 घंटे धूप अवश्य देनी चाहिए, लेकिन ध्यान रखें कि सीधी धूप पत्तियों को जला सकती है।

नियमित रूप से खाद डालें.

इसके अलावा आपको गुलाब के पौधे में अच्छी मिट्टी डालनी चाहिए, क्योंकि मिट्टी में पर्याप्त पोषक तत्वों का होना बहुत जरूरी है। आपको गुलाब के पौधे को नियमित रूप से खाद देना चाहिए। आपको बाजार में आसानी से खाद मिल जाएगी। उर्वरक खरीदते समय पैकेट पर लिखे सभी निर्देशों को ध्यान से पढ़ें।

पौधे की छंटाई अवश्य करें।

इसके अलावा मिट्टी में पानी का अच्छा विकास होना भी बहुत जरूरी है, तभी आपका पौधा मुरझाने से बच सकता है। गुलाब की सभी सूखी हुई शाखाएँ काट दो। इसके अलावा, छंटाई भी करें, इससे नई शाखाओं के विकास में मदद मिलेगी और पौधा अधिक सुंदर बनेगा।

कीटनाशक का प्रयोग करें

कई बार कीड़ों के कारण पौधा खराब होने लगता है, ऐसी स्थिति में आपको अपने पौधे की जांच कर कीटनाशक का प्रयोग अवश्य करना चाहिए। सर्दियों में पौधे को ठंड लग सकती है। ऐसी स्थिति में उसका विशेष ध्यान रखें। वहीं, बरसात के मौसम में पौधे को ज्यादा पानी देने की जरूरत नहीं होती। आप इन सभी सुझावों का पालन करके गुलाब के पौधे को मुरझाने से बचा सकते हैं।

रेस 4 में हुई रकुल प्रीत सिंह की एंट्री, सैफ के सामने आएंगी नजर!

फिल्म निर्माता रमेश तौरानी ने पहले पुष्टि की थी कि अभिनेता सैफ अली खान रेस 4 में मुख्य भूमिका में लौटेंगे। अब, पता चला है कि रकुल प्रीत सिंह इस प्रत्याशित थ्रिलर फैंचाइज़ में खान के साथ शामिल हो सकती हैं। हालांकि सूत्र ने पुष्टि नहीं की कि सिंह जिस प्रोजेक्ट में शामिल हुई हैं वह वास्तव में रेस 4 है, लेकिन यह संभावना है कि यह वही हो, क्योंकि खान और तौरानी अभी केवल इसी प्रोजेक्ट पर साथ काम कर रहे हैं। इस प्रोजेक्ट के बारे में ज़्यादा जानकारी गुप्त रखी गई है, लेकिन रेस की दुनिया में सिंह का प्रवेश निश्चित रूप से इसे और भी रोमांचक बनाता है।

प्रोडक्शन से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि सिंह कुछ ऐसा करने के लिए वाकई उत्साहित हैं जो उन्होंने पहले कभी नहीं किया है। हालाँकि उन्होंने पिछले कुछ सालों में कई बड़े बजट की फ़िल्मों में काम किया है, लेकिन रेस फ़्रैंचाइज़ में प्रवेश करना उनके लिए एक दिलचस्प चुनौती होने जा रही है। सूत्र ने कहा, रकुल रमेश तौरानी के बैनर तले एक रोमांचक नई परियोजना के लिए सैफ अली खान के साथ काम करने के लिए तैयार हैं। मेरे हसबैंड की बीवी की सफलता के बाद, वह स्मार्ट विकल्प चुन रही हैं, और यह फिल्म उनकी गति को और बढ़ाएगी। 34 वर्षीय रकुल ने अतीत में विभिन्न शैलियों में काम किया है। उन्हें रोमांटिक-कॉमेडी शैली पर मजबूत पकड़ के लिए जाना जाता है, और रेस 4 उनके बहुमुखी करियर को और आगे ले जाएगी। हालाँकि, निर्माताओं द्वारा अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

रेस फैंचाइज़ में सैफ अली खान की वापसी ने इस प्रोजेक्ट को लेकर पहले से ही काफी उत्सुकता बढ़ा दी है।

अगर रकुल प्रीत सिंह इस फिल्म में शामिल होती हैं, तो स्क्रीन पर एक नई जोड़ी की उम्मीद की जा सकती है। हालांकि, अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि दोनों को एक साथ जोड़ा गया है या नहीं। पिछले साल की शुरुआत में, खान के रेस 4 में काम करने की पुष्टि करते हुए, निर्माता रमेश तौरानी ने कहा- सैफ रेस फैंचाइज़ में वापस आएंगे, और हम उन्हें लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने पहली दो फिल्मों में शानदार काम किया है। फिल्म में कई कलाकार होंगे, और हम स्क्रिप्ट और कलाकारों को अंतिम रूप दे रहे हैं। हमने निर्देशक को भी अंतिम रूप नहीं दिया है। हम फिल्म की आधिकारिक घोषणा अगले साल, संभवतः फ्लोर पर जाने से पहले करेंगे। इस बीच, सिंह को आखिरी बार अर्जुन कपूर और भूमि पेडनेकर के साथ मेरे हसबैंड की बीवी में देखा गया था। फिल्म इस महीने की शुरुआत में रिलीज़ हुई थी। रेस 4 उनके करियर में एक शानदार जोड़ होने जा रही है।

मुश्किल में फंसी धनुष की कुबेर

साउथ सुपरस्टार धनुष और अभिनेत्री रश्मिका मंदाना इन दिनों कुबेर को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। फिल्म का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। शेखर कम्मुला द्वारा निर्देशित कुबेर धनुष और सुपरस्टार नागार्जुन के बीच पहला सहयोग है। फिल्म में रश्मिका मंदाना मुख्य नायिका की भूमिका में हैं। सभी किरदारों के फर्स्ट लुक पहले ही जारी हो चुके हैं। वहीं, इस बीच अब खबर है कि कुबेर अब मुश्किल में फंस चुकी है।

करीमकोंडा नरेंद्र नाम के एक टॉलीवुड निर्माता ने दावा किया है कि उन्होंने नवंबर 2023 में तेलुगु फिल्म निर्माता परिषद के साथ कुबेर शीर्षक पंजीकृत किया था और उन्होंने अपनी फिल्म की शूटिंग का एक बड़ा हिस्सा पहले ही पूरा कर लिया है। नरेंद्र ने निर्देशक शेखर कम्मुला पर शीर्षक के उल्लंघन का आरोप लगाया और शीर्षक बदलने या उन्हें हुए नुकसान के लिए मुआवजे की मांग की। नरेंद्र ने तेलुगु फिल्म चैंबर से हस्तक्षेप करने और न्याय करने का अनुरोध किया है।

फिल्म की शूटिंग पूरी

वहीं, इन आरोपों पर अब तक कुबेर की टीम, धनुष या नागार्जुन में से किसी ने भी चुप्पी नहीं तोड़ी है। शीर्षक की मुसीबत के बीच शेखर कम्मुला की कुबेर की शूटिंग पूरी हो चुकी है और फिलहाल पोस्ट-प्रोडक्शन की औपचारिकताएं चल रही हैं। फिल्म का टीजर भी पहले ही जारी हो चुका है।

फिल्म की कहानी

फिल्म में धनुष के किरदार की बात करें तो कुबेर में धनुष एक ऐसे किरदार को निभा रहे हैं, जो एक बेघर व्यक्ति के रूप में शुरू होता है, लेकिन अंततः एक शक्तिशाली माफिया सरगना बन जाता है। रश्मिका और धनुष के साथ फिल्म में अक्किनेनी नागार्जुन, संदीप किशन, जिम सर्भ और अन्य भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। फिल्म में नागार्जुन एक पुलिस ऑफिसर का किरदार निभा रहे हैं।

शेखर-धनुष की पहली फिल्म

सुनील नारंग और पुष्कर राम मोहन राव द्वारा निर्मित कुबेर में संगीत देवी श्री प्रसाद ने दिया है और सिनेमैटोग्राफी निकेथ बोम्मी ने की है। प्रोडक्शन डिजाइनर रामकृष्ण सब्बानी और मोनिका निगोत्रे तकनीकी दल का हिस्सा हैं। इस फिल्म के जरिए निर्देशक शेखर कम्मुला और धनुष पहली बार साथ काम कर रहे हैं। कुबेर शेखर कम्मुला द्वारा निर्देशित एक बहुभाषी फिल्म है।

'क्रेजी' का नहीं बन पा रहा क्रेज

फिल्म 'छावा' लगभग दो हफ्तों से अधिक समय से सिनेमाघरों में टिकी हुई है और अच्छा कलेक्शन कर रही है। इसी बीच शुक्रवार को सोहम शाह की फिल्म 'क्रेजी' भी रिलीज हुई। इस फिल्म की चर्चा रिलीज से पहले काफी हो रही थी। लेकिन पहले दिन फिल्म ने कोई बड़ा कमाल कलेक्शन के मामले में नहीं किया। जानिए, दूसरे दिन फिल्म 'क्रेजी' ने कितना कलेक्शन किया है। फिल्म क्रेजी के दूसरे दिन के कलेक्शन की बात करें तो अब तक प्राप्त जानकारी के अनुसार यह फिल्म 57 लाख रुपये ही कमा पाई है। जबकि पहले दिन इसने 1 करोड़ रुपये की कमाई का नंबर हासिल कर लिया था। लेकिन जितनी उम्मीद इस फिल्म के मेकर्स को थी, उतना कलेक्शन यह फिल्म नहीं कर पाई। फिल्म की कुल कमाई भी अब तक 1.57 करोड़ रुपये ही है।

वीकएंड का फायदा नहीं उठा पाई 'क्रेजी'

वीकएंड पर कम कमाई करने वाली फिल्में भी अपने कलेक्शन में बढ़ोतरी कर लेती हैं। लेकिन सोहम शाह की फिल्म ऐसा करती नहीं दिख रही है। इसकी वजह फिल्म 'छावा' है। दरअसल, सिनेमाघरों में दो हफ्ते बाद भी 'छावा' का क्रेज बना हुआ है। यह फिल्म काफी अच्छा कलेक्शन कर रही है, 400 करोड़ क्लब में भी शामिल हो चुकी है।

जिस चीज से प्यार करती हूं, वह कर पा रही हूं

फिल्म दम लगा के हईशा को रिलीज हुए 10 साल हो गए। इस फिल्म में अहम किरदार निभाने वाली अभिनेत्री भूमि पेडनेकर को भी फिल्म इंडस्ट्री में 10 साल हो गए। वह अपने इस सफर को लेकर कृतज्ञता से भरी हैं। हाल ही में उन्होंने कहा मैं बहुत खुशनसीब हूं कि मैं अभी भी वह कर पा रही हूं, जिससे मैं बहुत प्यार करती हूं।

फिल्म के हिट और फ्लॉप होने का नहीं था दबाव

एक रिपोर्ट के मुताबिक भूमि पेडनेकर ने कहा कि मुझे अभी भी याद है जब दम लगा के हईशा का प्रीमियर आया था। मुझे नहीं पता था कि क्या होगा, लेकिन बहुत खुश थी क्योंकि मेरे ऊपर दबाव नहीं था कि फिल्म हिट होगी या फिर फ्लॉप। मेरी पहली फिल्म रिलीज हो रही थी और शायद ये मेरी सबसे बड़ी कामयाबी थी। जब मुझे कभी शक होता है, तो मैं उसी ऊर्जा का इस्तेमाल करती हूं।

फिल्मों में चुना अलग-अलग किरदार

भूमि का कोई फिल्मी बैकग्राउंड नहीं रहा है। उन्होंने अपना करियर अपरंपरागत रोल से शुरा किया। उनके मुताबिक तब से वह ऐसे विकल्प चुनती आ रही हैं क्योंकि वह खुद को सीमित नहीं रखना चाहतीं। भूमि ने कहा मैं अपने आपको किसी भी सांचे में नहीं रखना चाहती, न मैं वैसा करना चाहती हूं, जो मेरे किसी साथी ने किया है। मैं वह काम करना चाहती हूं जिससे मैं जुड़ती हूं। कुछ मेरे लिए आसान होते हैं, तो कुछ मुश्किल, लेकिन ये सभी मेरी पसंद हैं और मैं इस पर फख्र महसूस करती हूं। भूमि पेडनेकर ने दम लगा के हईशा फिल्म से अपने करिअर की शुरूआत की। इसके बाद वह टॉयलेट; एक प्रेम कथा में नजर आईं। उनकी दूसरी बेहतरीन फिल्मों में सांड की आंख, बाला, बधाई दो और रक्षा बंधन है। हाल ही में वह मेरे हस्बैंड की बीवी में नजर आई थीं। इस फिल्म में भूमि के अलावा रकुल प्रीत सिंह और अर्जुन कपूर हैं। फिल्म का निर्देशन मुदस्सर अजीज ने किया है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बहुत ज्यादा कमाल नहीं कर पाई है।

मृणाल ठाकुर अभिनीत डकैत में हुई अनुराग कश्यप की एंट्री

अदिवी शेष की आगामी फिल्म डकैत में मृणाल ठाकुर की एंट्री के बाद अब अनुराग कश्यप की एंट्री के साथ ही उनके किरदार से भी पर्दा उठा दिया गया है। फिल्म में अनुराग एक इंस्पेक्टर की भूमिका में नजर आएंगे, जिसका नाम स्वामी है। फिल्म निर्माताओं ने फिल्म से एक और नए किरदार का पहला लुक जारी किया है, जिसे बॉलीवुड फिल्म निर्माता अनुराग कश्यप निभाएंगे। इस फिल्म में अनुराग एक इंस्पेक्टर स्वामी की भूमिका निभाते नजर आएंगे। इंस्पेक्टर स्वामी का पहला लुक शेयर करते हुए निर्माताओं ने पोस्ट को कैप्शन दिया, दीक्षा लो उन्ना पुलिस नन्नु पत्तुकुंटाडु अता.. नन्नु पत्तुकोवलांटे आ देवुडे डिजी रावली इमो.. डकैत में अद्भुत अनुराग कश्यप सर को लेकर बेहद खुश हूं।

अनुराग की पहली तेलुगु फिल्म है डकैत

फिल्म डकैत से अनुराग कश्यप तेलुगु सिनेमा में डेब्यू करने जा रहे हैं। निर्देशक से अभिनेता बने अनुराग कश्यप इससे पहले तमिल फिल्मों में काम कर चुके हैं। इससे पहले, डकैत के कलाकारों में बड़ा बदलाव तब हुआ था, जब किन्हीं वजहों से श्रुति हासन ने मुख्य अभिनेत्री के रूप में इस प्रोजेक्ट से हाथ खींच लिया था और श्रुति की जगह फिर मृणाल ठाकुर को साइन कर लिया गया। 17 दिसंबर, 2024 को डकैत के निर्माताओं ने अदिवी के जन्मदिन के साथ ही मृणाल ठाकुर का पहला लुक जारी किया था। इस पोस्टर में मृणाल के माथे पर चोट लगी है और वह एक कार में बैठी नजर आ रही हैं और उनके हाथ में बंदूक दिखाई दे रही है। इस पोस्टर के साथ कैप्शन में लिखा, हमारे डकैत अदिवी शेष को जन्मदिन की शुभकामनाएं। उनके खास दिन पर, हम उनसे मिलवाते हैं जिसने उन्हें धोखा दिया। उनका प्यार। उनका दुश्मन। मृणाल ठाकुर का फिल्म में स्वागत है।

सिमर से लेकर शनाया कपूर तक ये स्टार किड्स आएंगे इन फिल्मों में नजर

7 मार्च को नेटफ्लिक्स पर सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान की फिल्म नादानियां रिलीज होने वाली है। वह इस फिल्म से बॉलीवुड इंडस्ट्री में डेब्यू करने जा रहे हैं। ऐसे कई स्टार्स के किड्स हैं, जो साल 2025 में बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रहे हैं। आइए इनके बारे में जानते हैं।

संजय कपूर की बेटी शनाया कपूर

संजय कपूर की बेटी शनाया कपूर बॉलीवुड में कदम रखने को तैयार हैं। खबर है कि वह दक्षिण भारत की फिल्म वृषभ में नजर आएंगी। फिल्म इसी साल रिलीज होने वाली है। संजय कपूर की बीवी का नाम महीप कपूर है।

शाहरुख के बेटे आर्यन खान

बॉलीवुड के किंग शाहरुख खान के बेटे भी बॉलीवुड में आ रहे हैं। लेकिन वह बतौर डायरेक्टर-राइटर इस इंडस्ट्री में आएंगे। वह वेब सीरीज से इंडस्ट्री में कदम रखेंगे। उनकी सीरीज नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। इसे शाहरुख खान प्रोड्यूज कर रहे हैं।

अक्षय कुमार की भांजी सिमर भाटिया

अक्षय कुमार की भांजी सिमर भाटिया भी बॉलीवुड में अपने जलवे दिखाने वाली हैं। वह अमिताभ बच्चन के नाती अगस्तया नंदा के साथ फिल्म इक्कीस में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म का निर्देशन श्रीराम राघवन करने वाले हैं।

अब्राहिम अली खान खुशी कपूर

सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान नादानियां के अलावा सरजमीन फिल्म में नजर आएंगे। उनके साथ एक्ट्रेस काजोल भी नजर आने वाली हैं। जल्द ही इस फिल्म की बाकी अपडेट भी आएगी। नादानियां में सैफ के साथ श्रीदेवी की बेटी खुशी कपूर भी नजर आएंगी।

परिणीति चोपड़ा ने शुरू की वेब सीरीज की शूटिंग

बॉलीवुड अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा अब जल्द ही एक वेब सीरीज में नजर आएंगी, जो नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। अनटाइटल्ड थ्रिलर-ड्रामा वेब सीरीज की शूटिंग को लेकर परिणीति ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक अपडेट शेयर किया है। इस जानकारी से मिलने पर प्रशंसकों के बीच वेब सीरीज को लेकर उत्साह और अधिक बढ़ गया है। परिणीति ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल की स्टोरी पर सुबह शूटिंग के लिए सेट पर जाते हुए खास वीडियो शेयर किया है। शूटिंग लोकेशन का जिक्र किए बिना परिणीति ने कैप्शन में लिखा, चलो शूटिंग पर डे 7 जिससे पता चलता है कि शूटिंग शुरू हुए एक हफ्ता हो चुका है और शूटिंग का सातवां दिन है।

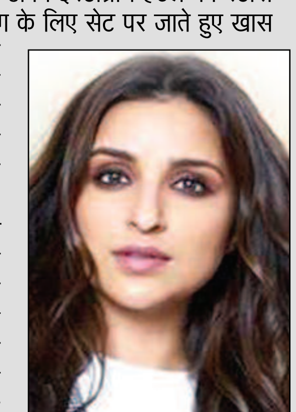

दैनिक फ्यूचर लाइन टाईम्स के स्वामी फ्यूचर लाइन ट्रस्ट संपादक ओमवीर आर्य द्वारा वत्स ऑफसेट, पता- मुद्दा हाउस, सी-ब्लॉक, बारात घर, चौड़ा रघुनाथपुर, सेक्टर-22, नोएडा, गौतमबुद्ध नगर से मुद्रित कराकर ग्राम व पोस्ट दुजाना, जिला गौतमबुद्ध नगर से प्रकाशित किया। किसी भी वाद का निस्तारण क्षेत्र न्यायालय गौतमबुद्ध नगर में होगा। मोबाइल नंबर-9313452979 आर.एन.आई. नंबर -UPHIN/2022/87673